epaper.dehatsandesh.com

3 सज गए मां के दरबार, अब श्रद्धालुओं के स्वागत को तैयार कटुआ

5 भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी खुशकिस्मती की बात: द्रविड़

8 घिया (लौकी) एक कद्दूवर्गीय महत्वपूर्ण सब्जी

मौसम जम्मू न्यूनतम 13 अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-67 | जम्मू तवी, बुधवार 18 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

शांति भंग करने वालों को चुकानी होगी भारी कीमत : उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू, ,17 मंगलवार मार्च। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति या समूह जो जम्मू-कश्मीर में शांति, कानून-व्यवस्था या निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पहुँचाने की कोशिश करेगा, उसे इसकी बहुत भारी कीमत चुकानी होगी। मंगलवार रियासी के एसटीसी तलवाड़ा में कांस्टेबलों की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सार्वजनिक शांति को भंग करने, व्यावसायिक गतिविधियों को बाधित करने या हिंसा भड़काने के किसी भी प्रयास का कानून की पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। जम्मू-कश्मीर पुलिस व्यवस्था और स्थिरता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता में स्पष्ट है और बिना किसी अपवाद के ऐसे कृत्यों के खिलाफ सभी आवश्यक उपाय करेगी। कठिन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के जांबाज जवानों को बधाई देते हुए, उपराज्यपाल ने उनसे जम्मू-कश्मीर

की उपलब्धियों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उपराज्यपाल ने कहा, जम्मू-कश्मीर पुलिस एक आतंक-मुक्त, अपराध-मुक्त केंद्र शासित प्रदेश बनाने में सहायक रही है, जहां कोई असुरक्षा नागरिक जीवन पर हावी नहीं होती है। बल ने सुशासन, नवाचार, सामाजिक एकता और एक न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में उल्लेखनीय मील के पत्थर हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमें उन अलगाववादी तत्वों को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए जो लोगों को विभाजित करने और विकास को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं। इसे उनकी कड़ी चेतावनी माना जाए। उपराज्यपाल ने गौर किया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की वर्दी पहनने वाला हर महिला या पुरुष उत्कृष्ट मानकों के साथ जनता की उम्मीदों से आगे बढ़ने का संकल्प लेता है। उन्होंने कहा, आज से, जनता का विश्वास आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है—लेकिन इसे ईमानदारी, निष्पक्षता और सहानुभूति के माध्यम

> **" खाकी का संकल्प, जनता का विश्वास और सुरक्षा ही पुलिस की असली पूंजी - मनोज सिन्हा**

से निरंतर अर्जित करें। आपकी भूमिका केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है; इसकी भावना और आत्मा को आत्मसात करें। मुझे विश्वास है कि आप सुरक्षा में प्रत्येक नागरिक की गरिमा को बनाए रखेंगे।卐 उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस शांति, सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रत्येक नागरिक शांति के साथ प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुए। उन्होंने आगे कहा, 卐सभी संसाधनों और संकल्प के साथ, जम्मू-कश्मीर पुलिस आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाती है।

भारत ने काबुल में अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले की कड़ी निंदा की, कहा यह अमानवीय कृत्य

नयी दिल्ली, 17 मार्च । भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले को कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत सोमवार की रात काबुल के ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर पाकिस्तान के बर्बर हवाई हमले की कड़ी निंदा करता है। यह हिंसा का एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की

कोशिश कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा किया गया यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है।

बयान में कहा गया है कि यह हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया, जो दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए शांति, चिंतन और दया का समय होता है, जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। ऐसा कोई धर्म, कोई कानून या कोई नैतिकता नहीं है जो किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित ठहरा सके।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा नागरिकों को निशाना बनाने का यह अंधाधुंध हमला तत्काल बंद हो।

श्री जायसवाल ने कहा कि भारत शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है और इस दुखद घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने कहा, हम अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपने अटूट समर्थन को भी दोहराते हैं।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने नियुक्त किए 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षक

नई दिल्ली, 17 मार्च । चुनाव आयोग ने मंगलवार को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभा चुनावों और छह राज्यों में उपचुनावों के लिए 1,111 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि कुल 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है, ताकि स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रलोभन-मुक्त चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें। आधिकारिक

विज्ञप्ति के अनुसार, असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभाचुनावों के साथ-साथ छह राज्यों होने वाले उपचुनावों की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया है। महाराष्ट्र व कर्नाटक (2-2 सीट), गोवा, गुजरात, नगालैंड और त्रिपुरा (1-1 सीट) पर उपचुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि पर्यवेक्षक जमीनी स्तर पर आयोग की आंख और कान के रूप में कार्य करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए हिंसा-मुक्त और पारदर्शी चुनाव पर जोर दिया था। असम के 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 51 सामान्य पर्यवेक्षक, 35 पुलिस पर्यवेक्षक और 50 व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। इसी प्रकार, केरल के 140 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 51 सामान्य, 17 पुलिस और 40 व्यय पर्यवेक्षक होंगे। तमिलनाडु (234 सीट) के लिए 136 सामान्य पर्यवेक्षक, 40 पुलिस पर्यवेक्षक और 151 व्यय पर्यवेक्षक आवंटित किए गए हैं। 294 सदस्यीय विधानसभा पश्चिम बंगाल के लिए 294 सामान्य पर्यवेक्षक, 84 पुलिस पर्यवेक्षक और 100 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए 17 सामान्य पर्यवेक्षक, चार पुलिस पर्यवेक्षक और 17 व्यय पर्यवेक्षक होंगे।

आतंक फंडिंग मामला

सुप्रीम कोर्ट ने शब्बीर शाह को कड़ी शर्तों के साथ ज़मानत दी

नई दिल्ली, 17 मार्च । भारत के सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को एक आतंक फंडिंग मामले में ज़मानत दे दी है। आठ साल से ज़्यादा समय तक हिरासत में रहने के बाद, उनकी रिहाई पर कड़ी शर्तें लगाई गई हैं।

12 मार्च के अपने आदेश में, जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि समय पर ट्रायल में प्रगति के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखना, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन हो सकता है। कोर्ट ने शाह की ज़्यादा उम्र (74) और ट्रायल के

जल्दी खत्म होने की कम संभावना को ज़मानत देने के मुख्य कारणों के तौर पर बताया, साथ ही यह भी साफ किया कि उसने मामले की खूबियों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कोर्ट ने शाह को ट्रायल के दौरान कई कड़ी शर्तों का पालन करने का निर्देश दिया। उन्हें सिर्फ़ एक मोबाइल फ़ोन इस्तेमाल करने की इजाज़त है, जो हर समय चालू रहना चाहिए, और उन्हें अपने संपर्क की जानकारी स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के साथ शेयर करनी होगी। वह ट्रायल कोर्ट की पहले से इजाज़त लिए बिना दिल्ली से बाहर नहीं जा सकते और अगर उनके पास पासपोर्ट है, तो उसे जमा करना होगा। इसके अलावा, शाह को निर्देश दिया गया है कि वह हर पखवाड़े (दो हफ़्ते में एक बार) नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के जांच अधिकारी को रिपोर्ट करें, खास तौर पर बुधवार या गुरुवार को सुबह 10 बजे से 11 बजे के बीच। कोर्ट ने उन्हें ज़मानत पर रहते हुए गवाहों को प्रभावित करने, सबूतों से छेड़छाड़ करने, या इसी तरह का कोई भी अपराध करने से भी रोक दिया है।

पश्चिमी एशिया संकट

देश में ईंधन पर्याप्त, एलपीजी आपूर्ति सुचारु, 611 भारतीय नाविक सुरक्षित

नई दिल्ली, 17 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत ने आज कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है, सभी पेट्रोलियम रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और समुद्र में भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। विदेश मंत्रालय ने ईरान से जुड़े दावों को खारिज करते हुए दोहराया कि भारत संवाद और कूटनीतिक चैनल के जरिए संघर्ष समाप्त करने का पक्षधर है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत में ऊर्जा, विदेश और शिपिंग से जुड़े हालात को लेकर नियमित रूप से आयोजित किये जा रहे राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में रोजाना अंतर्मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि कच्चे तेल की उपलब्धता पर्याप्त है और पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है।

नवरात्रि की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस में जोड़ा अतिरिक्त कोच

जम्मू,17 मंगलवार मार्च। आगामी नवरात्रि उत्सव के दौरान माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए यात्रा करने वाले भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए, उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने ट्रेन संख्या 13151/13152 (कोलकाता-जम्मू तवी-कोलकाता एक्सप्रेस) में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। यह सुविधा 20 मार्च से 20 अप्रैल तक उपलब्ध रहेगी, जिसका उद्देश्य त्योहार की अवधि के दौरान यात्रियों की संख्या में वृद्धि को समायोजित करना है। अधिकारियों ने कहा कि इस कदम से वर्तमान में लंबी प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के लिए टिकट कन्फर्म होने की संभावना काफी बढ़ जाने की उम्मीद है। अतिरिक्त स्लीपर कोच जुड़ने से प्रतिदिन लगभग 72 से 80 यात्रियों को कन्फर्म बर्थ मिलने की संभावना है, साथ ही मौजूदा कोचों में भीड़भाड़ भी कम होगी। यह जम्मू की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए एक सुरक्षित, सुगम और अधिक आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करेगा। नवरात्रि के दौरान उच्च संख्या को देखते हुए, इस कदम से भक्तों को बहुत जरूरी राहत मिलने, अंतिम समय में टिकट रद्द होने से बचाने और यात्रा व्यवस्था को आसान बनाने की उम्मीद है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि यह निर्णय शुभ अवसर के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग और लंबी प्रतीक्षा सूची को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि रेलवे लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है और यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यकतानुसार आगे के उपाय करेगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से या हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करके नवीनतम बर्थ स्थिति की जांच करें।

लद्दाख की मांगों पर अब भरोसे की बारी, केंद्र ने बातचीत के लिए बढ़ाया दोस्ती का हाथ : वांगचुक

नई दिल्ली,17 मंगलवार मार्च। जेल से रिहा होने के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में, कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने मंगलवार को एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका)) के तहत अपनी हिरासत रद्द किए जाने को 卐जीत-जीत卐 (दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद) घटनाक्रम करार दिया और कहा कि केंद्र ने लद्दाख के लोगों के साथ सार्थक बातचीत के लिए विश्वास बनाने हेतु अपना हाथ आगे बढ़ाया है। यहाँ अपनी पत्नी और एचआईएएल की सह-

संस्थापक गीतांजलि जे. आंगमो के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, वांगचुक ने कहा कि लद्दाख में विरोध प्रदर्शनों का उद्देश्य केवल एक रचनात्मक संवाद प्रक्रिया शुरू करना रहा है। उन्होंने कहा, हमें अदालत में जीत का यकीन था, लेकिन केवल जीत काफी नहीं थी। मैं विन-विन (सबकी जीत) चाहता था। उन्होंने सरकार के इस कदम को विश्वास बनाने और सार्थक, रचनात्मक बातचीत की सुविधा के लिए हाथ बढ़ाने के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा, उन्होंने एक रचनात्मक, सार्थक संवाद की पेशकश की है। यही हम चाहते थे, और हमें इसके लिए इतना संघर्ष करना पड़ा, दिल्ली तक पैदल चलना पड़ा, अनशन पर बैठना पड़ा।

नवरात्रि से पहले माता वैष्णो देवी में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता

जम्मू,17 मंगलवार मार्च। पुलिस उपमहानिरीक्षक ,उधमपुर-रियासी रेंज, सारा रिज़वी ने मंगलवार को माता वैष्णो देवी के गुफा मंदिर और तीर्थ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि यह समीक्षा 19 मार्च से शुरू होने वाले नवरात्रि उत्सव से पहले की गई है। वैष्णो देवी तीर्थ यात्रा के आधार शिविर कटरा में एक संयुक्त सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, रिज़वी ने उत्सव के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों का आकलन किया, जिसमें तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ उमड़ती है। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने वाहनों की जांच तेज करने के लिए रैंडम नाका पॉइंट स्थापित करने और जम्मू-कश्मीर पुलिस तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा चौबीसों घंटे संयुक्त लंबी दूरी की गश्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने क्षेत्र में सुरक्षा अभ्यास के हिस्से के रूप में पैदल गश्त बढ़ाने, ऊंचे स्थानों पर तैनाती, ग्राम रक्षा गार्डों को सक्रिय करने, निरंतर क्षेत्र प्रभुत्व अभ्यास और लंबी दूरी की गश्त का आह्वान किया। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और तोड़फोड़ या भगदड़ सहित किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने कटरा शहर में प्रवेश करने वाले प्रवासियों, निर्माण श्रमिकों, पिट्ठू और घोड़ा, खच्चर वाले और अन्य लोगों की पृष्ठभूमि की जांच सहित सख्त सत्यापन अभियान चलाने का भी निर्देश दिया।

उमर ने इफ़्तार की मेज़बानी की; एकता और करुणा पर ज़ोर दिया

श्रीनगर, 17 मार्च। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को यहाँ शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में इफ़्तार की मेज़बानी की। इस दौरान उन्होंने रमज़ान के पवित्र महीने में सद्भाव और एकजुटता की भावना के साथ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों को एक मंच पर इकट्ठा किया। इस इफ़्तार में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, मंत्री सकीना इटू, जावेद अहमद डार और सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, विधायक, वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी, धार्मिक विद्वान, नागरिक समाज के प्रतिनिधि और मीडिया के सदस्य शामिल हुए। यह जमावड़ा उस समावेशी संस्कृति और सांप्रदायिक सद्भाव को दर्शाता था जिसके लिए जम्मू और कश्मीर लंबे समय से जाना जाता है। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और कहा कि रमज़ान का पवित्र महीना करुणा, धैर्य और उदारता का प्रतीक है। उमर अब्दुल्ला ने जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए स्थायी शांति, समृद्धि और कल्याण की भी प्रार्थना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पवित्र महीना विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सामाजिक जुड़ाव की भावना को और मज़बूत करेगा।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के जरिए बिना गारंटी के लोन देकर छोटे उद्यमियों को सशक्त बनाना जारी: वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली ,17 मंगलवार मार्च। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) देश के छोटे उद्यमियों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत बिना किसी गारंटी के लोन दिया जाता है, जिससे लाखों लोग अपने बिजनेस आइडिया को आसानी से शुरू कर पा रहे हैं। राज्यसभा में योजना के प्रभाव से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि पीएम मुद्रा योजना के तहत तीन तरह के लोन दिए जाते हैं - शिशु (50,000 रुपए तक),

किशोर (50,001 से 5 लाख रुपए तक) और तरुण (5 लाख से 10 लाख रुपए तक)। ये तीनों कैटेगरी अलग-अलग स्तर के कारोबार के लिए हैं, जिससे छोटे और माइक्रो बिजनेस को बढ़ावा मिलता है। 31 मार्च 2025 तक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, शिशु कैटेगरी में 12.4 प्रतिशत, किशोर में 9.4 प्रतिशत और तरुण में 7.92 प्रतिशत लोन नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) के रूप में दर्ज हैं। बैंकों द्वारा इन लोन की वसूली के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं ताकि योजना को लंबे समय तक टिकाऊ बनाया जा सके। वित्त मंत्री ने तरुण प्लस कैटेगरी को लेकर भी बात की, जिसमें 20 लाख रुपए तक का बिना गारंटी लोन दिया जाता है।

किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ–सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए–

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुल जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुक्सान पहुंचाते हैं।

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा–बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नेलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीव़ी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।

डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीव़ी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रैशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रैशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11–15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रैशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।

उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख–शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख–शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख–शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई–झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति–पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी–भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो–पीस

शीशे के शो–पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर–पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो–पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

राज्यसभा ने चर्चा के बाद विनियोग विधेयक 2026 लोक सभा को वापस लौटाया

नई दिल्ली, 17 मार्च (हि.स.)। राज्यसभा ने मंगलवार को चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद विनियोग विधेयक 2026 को लोकसभा को वापस लौटा दिया। यह विधेयक वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संचित निधि से 2.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त राशि खर्च करने के लिए संसद की मंजूरी (अनुपूरक अनुदान मांगें) प्रदान करता है, जिसे पहले लोकसभा ने पारित किया था। राज्यसभा में निर्मला सीतारमण ने विनियोग विधेयक 2026 पर कहा कि देश में अब ऊर्जा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि सदन में कई सदस्यों ने एलपीजी संकट के बारे में चिंता जताई। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने इस पर पहले ही चर्चा की है। उन्होंने कहा कि कुल एलपीजी का लगभग 65 प्रतिशत आयात होता है, और उस 65 प्रतिशत का लगभग 90 प्रतिशत होरमुज़ जलडमरूमध्य से आता है। इस कारण यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि आपूर्ति मिलेगी या नहीं। लेकिन हम सिर्फ आपूर्ति पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि कठिन हालात में भी हमने अपने पावर सेक्टर को मजबूत किया है, वह एक बड़ा सहारा है। आत्मनिर्भर भारत और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हमारे पावर सेक्टर के जरिए कई तरीकों से काम कर रही है। 2014 के बाद से हमारी स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता दोगुनी से अधिक हो चुकी है और अब ऊर्जा की कोई कमी नहीं है।

डॉ. साहिल खर्नोटिया ने नीट सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा की पास, नेफोलॉजी प्रोग्राम में चयन

कठुआ, 17 मार्च (हि.स.)। जिला कठुआ के डग्गर निवासी डॉ. साहिल खर्नोटिया ने नीट सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा उत्तीर्ण कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज जम्मू में नेफोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट प्रोग्राम के लिए हुआ है। डॉ. साहिल खर्नोटिया, हरबंस सिंह के सुपुत्र हैं और उनकी इस सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम मानी जा रही है। उनका इस उच्च स्तरीय चिकित्सा कार्यक्रम में चयन न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे कठुआ जिले के लिए गर्व की बात है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि जिले के युवा भी चिकित्सा के उन्नत क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं।

सज गए मां के दरबार, अब श्रद्धालुओं के स्वागत को तैयार कठुआ

कठुआ, 17 मार्च (हि.स.)। आगामी वीरवार से शुरू हो रहे चैत्र नवरात्रि पर्व को लेकर जिला कठुआ के सभी प्रमुख मंदिरों में तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। जिले भर के मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया है और हर तरफ श्रद्धा व उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

कठुआ के जसरोटा स्थित काली माता मंदिर, बिलावर में बाला सुंदरी माता मंदिर, सुकराला माता मंदिर, बनी का जोड़ियां माता मंदिर, नगरी का बाला सुंदरी मंदिर सहित कठुआ शहर, विभिन्न तहसीलों बिलावर, बसोहली और हीरानगर के मंदिरों में रंग-रोगन और सजावट का कार्य पूरा हो चुका है। मंदिरों को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है, जिससे रात के समय पूरा वातावरण जगमगा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा गया है। साथ ही सभी विभागों को नवरात्रि के दौरान अपनी जिम्मेदारियां बेहतर ढंग से निभाने के निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने सभी प्रमुख मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, जबकि बिजली विभाग को 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जल शक्ति विभाग को श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था सुचारु रखने को कहा गया है। वहीं, श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए आरटीओ कठुआ को परिवहन व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। नवरात्रि को लेकर मंदिरों के आसपास मेले भी सजने लगे हैं और क्षेत्र में चहल-पहल बढ़ गई है। लंगर सेवा देने वाले संगठनों ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

साहित्य अकादमी पुरस्कार जम्मू-कश्मीर के उभरते लेखकों और कवियों को प्रेरित करेगा : बलबीर

जम्मू, 17 मार्च (हि.स.)। भाजपा प्रवक्ता और पूर्व उपाध्यक्ष बलबीर राम रतन ने जम्मू-कश्मीर के तीन प्रतिष्ठित साहित्यकारों - खजूर सिंह ठाकुर (डोगरी), अली शाहिदा (कश्मीरी) और प्रीतपाल सिंह बेताब (उर्दू) - को प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025 के लिए चुने जाने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने उनके चयन को केंद्र शासित प्रदेश के लिए अपार गर्व का क्षण बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की राष्ट्रीय मान्यता न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता को सम्मानित करती है बल्कि पूरे क्षेत्र के उभरते लेखकों और कवियों के लिए एक मजबूत प्रेरणा का स्रोत भी है।

उन्होंने कहा कि साहित्य हमेशा से सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने सद्भाव को बढ़ावा देने और समाज की सामूहिक चेतना को प्रतिबिंबित करने का एक सशक्त माध्यम रहा है। पुरस्कार विजेताओं के व्यक्तिगत योगदान पर प्रकाश डालते हुए रतन ने कहा कि डोगरी साहित्य में खजूर सिंह ठाकुर के कार्यों ने क्षेत्रीय भाषाई विरासत को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत किया है।

उन्होंने आगे कहा कि अली शैदा की कश्मीरी भाषा में लिखी रचनाएँ लोगों की भावनाओं और आकांक्षाओं को जीवंत रूप से दर्शाती हैं जबकि प्रीतपाल सिंह बेताब का उर्दू साहित्य में योगदान अपनी भावनात्मक गहराई और बौद्धिक समृद्धि के लिए उल्लेखनीय है। बलबीर राम रतन ने आगे कहा कि इन तीन प्रख्यात लेखकों को इतने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान के लिए चयन जम्मू और कश्मीर की जीवंत साहित्यिक संस्कृति की मान्यता भी है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी उपलब्धियाँ युवा पीढ़ी को साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगी।

अवैध खनन पर कार्रवाई, दो साल में 13,692 वाहन जब्त

जम्मू, 17 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पिछले दो वर्षों में 13,692 वाहनों को जब्त किया गया है और 446 एफआईआर दर्ज की गई हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 6,219 वाहनों को जब्त किया गया, जबकि 2025-26 में (दिसंबर 2025 तक) यह संख्या बढ़कर 7,473 हो गई।

कानूनी कार्रवाई के तहत 2024-25 में 212 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि 2025-26 में अब तक 234 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिससे कार्रवाई में बढ़ोतरी साफ दिखाई देती है। जिलों में कुपवाड़ा में 2025-26 के दौरान सबसे अधिक 859 वाहन जब्त किए गए, इसके बाद कठुआ (796) और बारामूला (701) का स्थान रहा।

वहीं 2024-25 में जम्मू जिला 880 जब्त वाहनों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि सांबा और बडगाम में भी बड़ी संख्या में कार्रवाई की गई। एफआईआर के मामले में 2025-26 में बडगाम सबसे आगे रहा, जहां 51 मामले दर्ज हुए। अधिकारियों के अनुसार, यह बढ़ोतरी सख्त निगरानी, नदी क्षेत्रों में कार्रवाई और विभिन्न एजेंसियों के बेहतर समन्वय का परिणाम है।

जाम, बदहाल सड़कें और ट्रकों का अड्डा बनी शहर की सड़कें-प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

कठुआ, 17 मार्च (हि.स.)। कठुआ शहर में शहीद कैप्टन सुनील चौधरी चौक से ड्रीम पार्क की ओर जाने वाला मार्ग इन दिनों ट्रांसपोर्ट नगर का रूप लेता जा रहा है। इस सड़क पर ट्रांसपोर्टरों द्वारा बड़े-बड़े ट्रक बेतरतीब ढंग से खड़े किए जा रहे हैं, जिससे रोजाना जाम की स्थिति बन रही है और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। इस मार्ग पर एक स्कूल भी स्थित है, जहां सुबह के समय अभिभावक अपने बच्चों को छोड़ने आते हैं। लेकिन स्कूल के पास ही ट्रांसपोर्टरों के गोदाम होने के कारण दर्जनों लंबे ट्रक सड़क पर खड़े रहते हैं। कई ट्रकों का आधा हिस्सा सड़क के बीच तक आ जाता है, जबकि उनका पिछला हिस्सा गोदामों से माल उतारने के लिए लगा रहता है। इससे सड़क काफी संकरी हो जाती है और वाहनों की आवाजाही बाधित होती है। स्थिति यह है कि कई बार स्कूल की बसें एवं अन्य गाड़ियां भी जाम में फंस जाती हैं, जिससे अभिभावकों और बच्चों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रकों के इस तरह खड़े होने से सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। यही नहीं इस मार्ग पर महाकालेश्वर मंदिर के पास सड़क की हालत भी बेहद खराब है। यहां सड़क उखड़ी हुई है और बारिश के बाद हमेशा पानी भरा रहता है लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं करवाई गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कभी यह सुरक्षित मार्ग माना जाती थी, लेकिन अब सबसे ज्यादा ट्रैफिक इसी मार्ग पर हो गया है। बावजूद इसके ट्रैफिक विभाग और प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल के पास ट्रकों की पार्किंग पर तुरंत रोक लगाई जाए और सड़क की मरम्मत करवाई जाए ताकि जाम और संभावित हादसों से बचा जा सके।

राजौरी में पीडीडी के मीटर रीडर को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा

राजौरी, 17 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने राजौरी के पीडीडी में तैनात एक मीटर रीडर को एक शिकायतकर्ता से बिजली का बढ़ा हुआ बिल कम करने के बदले 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार-विरोधी ब्यूरो ने राजौरी के पीडीडी में मीटर रीडर के पद पर तैनात आरिफ इकबाल के खिलाफ एफआईआर के तहत मामला दर्ज किया है। राजौरी पुलिस स्टेशन एसीबी में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 के तहत 17.03.2026 को मामला संख्या 03/2026 दर्ज किया गया। यह मामला एक शिकायत के आधार पर बनाया गया था जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिकायतकर्ता वर्ष 2019 से 2021 तक टायर की दुकान चला रहा था, जिसके बाद उसने दुकान बंद कर दी।

उसके पास बिजली का कनेक्शन था और वह नियमित रूप से बिजली का बिल भरता था। उसे फरवरी 2026 में 31.12.2025 से 31.01.2026 की अवधि के लिए बिजली का बिल प्राप्त हुआ।

इस संबंध में राजौरी विभाग के मीटर रीडर आरिफ इकबाल ने शिकायतकर्ता से मुलाकात की और उससे 50,000 मांगे ताकि वह बिजली का बिल भर सके। इस पर शिकायतकर्ता ने कहा कि वह मीटर रीडिंग के अनुसार बिल का भुगतान करेगा।

इसके बाद, उसने शिकायतकर्ता को धमकी दी कि उसका बिजली का बिल बढ़ा दिया जाएगा। 5 मार्च 2026 को आरिफ इकबाल फिर आया और 31 जनवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 की अवधि का 1,53,890 रुपये का बिजली का बिल दिया, जिसकी भुगतान तिथि 27 मार्च 2026 थी। जब शिकायतकर्ता ने इतने अधिक बिल के बारे में पूछा तो आरिफ इकबाल (मीटर रीडर) ने बिल समायोजित करने के लिए 50,000 रुपये रिश्वत के रूप में मांगे। बाद में बातचीत के बाद यह राशि 30,000 रुपये कर दी गई।

उन्होंने आगे कहा कि चूंकि शिकायतकर्ता उपरोक्त मीटर रीडर को अवैध रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने पुलिस स्टेशन एसीबी राजौरी में उपरोक्त मीटर रीडर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत दर्ज कराई।

मामला दर्ज होने के बाद, राजौरी पुलिस स्टेशन में एसीबी की एक टीम गठित की गई। टीम ने आरोपी आरिफ इकबाल, जो राजौरी पीडीडी का मीटर रीडर है को शिकायतकर्ता से 30,000 रुपये की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद राजौरी स्थित आरोपी के घर की भी तलाशी ली गई। मामले की आगे की जांच जारी है।

अशोक कौल ने किश्तवार में भाजपा के ढांचे की समीक्षा की

जम्मू, 17 मार्च (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने किश्तवार स्थित पार्टी कार्यालय में किश्तवार जिले की संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जिला अध्यक्ष रवि कुमार परिहार, किश्तवार की विधायक शगुन परिहार, वरिष्ठ पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में चल रहे पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा करने और जिले भर में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बूथ और मंडल स्तर पर पार्टी ढांचे को मजबूत करने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने और जनता के बीच जनसंपर्क बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने पार्टी की सफलता की रीढ़ के रूप में एक मजबूत और सुव्यवस्थित संगठन के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि भाजपा व्यवस्थित संगठनात्मक प्रयासों और जन-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से अपने आधार का विस्तार करने के लिए निरंतर काम कर रही है।

उन्होंने पार्टी के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्तरों पर चल रही प्रशिक्षण कार्यशालाओं पर विशेष जोर दिया।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली, 17 मार्च (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में लिवालों और बिकवालों की खींचतान के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया। खरीदारी के सपोर्ट से दोनों सूचकांकों ने शानदार तेजी हासिल कर ली।

एच एंड पी विभाग के स्टाफ क्वार्टर निर्माण कार्य अंतिम चरण में

जम्मू, 17 मार्च (हि.स.)। जम्मू में हॉस्पिटैलिटी एंड प्रोटोकॉल (एच एंड पी) विभाग के कर्मचारियों के लिए बनाए जा रहे स्टाफ क्वार्टर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। विभाग की सचिव अवनी लवासा ने सोमवार को कैनाल रोड स्थित सर्किट हाउस के पास निर्माणाधीन परियोजना का निरीक्षण किया।

करीब 3.43 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह परियोजना एसएएससीआई योजना के तहत बनाई जा रही है और इसके चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

सांबा में स्वच्छता जागरूकता बढ़ाने के लिए चिची माता मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया

सांबा, 17 मार्च (हि.स.)। सामुदायिक सेवा और पर्यावरण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए पं. प्रेम नाथ डोगरा सरकारी डिग्री कॉलेज सांबा की एनएसएस इकाई मैत्री ने 7 दिवसीय एनएसएस शीतकालीन विशेष शिविर-2026 के छठे दिन सांबा के चिची माता मंदिर में एक व्यापक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम प्रधानाचार्य डॉ. निर्लेप कौर के गतिशील नेतृत्व में संचालित किया गया, जिनका निरंतर प्रोत्साहन छात्रों द्वारा संचालित सामाजिक पहलों को प्रेरित करता रहता है। यह गतिविधि एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर बबीता कुमारी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित की गई और इसमें 52 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय और उत्साहपूर्ण भागीदारी की।

अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने चिची माता मंदिर के अंदर और आसपास के क्षेत्रों जिसमें आस-पास के सार्वजनिक स्थान और राष्ट्रीय राजमार्ग-44 का निकटवर्ती भाग शामिल है में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने कचरा इकट्ठा किया मंदिर परिसर की सफाई की और कूड़े का उचित निपटान सुनिश्चित किया जिससे क्षेत्र की समग्र स्वच्छता और पवित्रता में सुधार हुआ। शारीरिक सफाई के साथ-साथ स्वयंसेवकों ने एक जागरूकता अभियान भी चलाया जिसमें श्रद्धालुओं, दुकानदारों और आम जनता को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छता केवल धार्मिक स्थलों तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि इसका पालन घर, बाज़ार और आस-पड़ोस में भी किया जाना चाहिए। स्वयंसेवकों ने जनता के साथ जुड़कर व्यवहार में बदलाव और जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा दिया। ऐसे प्रभावशाली कार्यों के माध्यम से एनएसएस इकाई मैत्री राष्ट्र निर्माण और सामाजिक विकास में सार्थक योगदान देना जारी रखे हुए है।

जीएमसी कठुआ से 50 वर्षीय महिला रहस्यमयी ढंग से लापता, परिजनों में हड़कंप

कठुआ, 17 मार्च (हि.स.)। जीएमसी कठुआ में उपचाराधीन एक 50 वर्षीय महिला के अचानक लापता हो जाने का मामला सामने आया है, जिससे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया और परिजन बेहद परेशान हैं जानकारी के अनुसार सांझी मोड़ कठुआ निवासी रहमती बेगम पिछले चार दिनों से जीएमसी कठुआ में भर्ती थीं और उनका इलाज चल रहा था। उनके साथ दो तीमारदार भी मौजूद थे। मंगलवार सुबह करीब 5-30 बजे, जब एक तीमारदार कैंटीन में चाय लेने गया हुआ था और दूसरा वहीं मौजूद था, इसी दौरान रहमती बेगम अचानक वार्ड से बाहर निकल गईं और उसके बाद वापस नहीं लौटीं। काफी तलाश के बावजूद जब उनका कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने तुरंत अस्पताल परिसर और आसपास खोजबीन शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने पुलिस चैकी में शिकायत दर्ज कराई। महिला के परिजन सैफ अली ने बताया कि उनकी मरीज़ बिना बताए अस्पताल से बाहर चली गई और तब से उसका कोई पता नहीं चल पाया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द उनकी तलाश कर महिला को सुरक्षित ढूंढा जाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में महिला की तलाश की जा रही है।

बंगाल की सभी सीटों पर टीएमसी के उम्मीदवार घोषित, भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी ममता

कोलकाता, 17 मार्च (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है।

पार्टी ने इस बार 52 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जिसमें युवा तथा अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बार भी इसी सीट से चुनाव लड़ेंगी। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि दार्जिलिंग क्षेत्र की तीन सीटों पर तृणमूल चुनाव नहीं लड़ेगी।

पंचायत चुनावों में गैर-स्थानीय मतदाता व उम्मीदवार मंजूर नहीं : शिवसेना

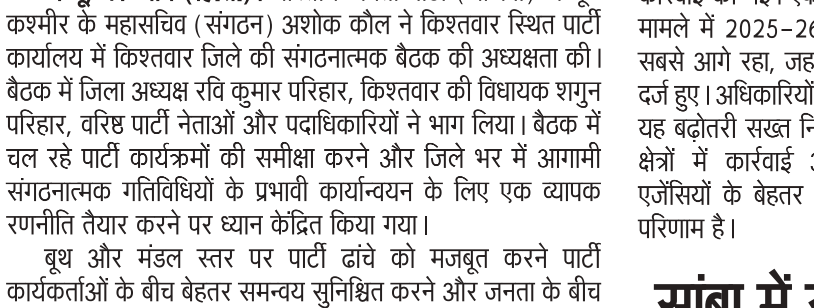

जम्मू, 17 मार्च (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की जम्मू-कश्मीर इकाई ने प्रदेश में प्रस्तावित पंचायत चुनावों को लेकर गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा है कि ताजा जनगणना और पारदर्शी परिसीमन के बिना चुनाव कराना लोकतांत्रिक प्रक्रिया और स्थानीय अधिकारों के साथ अन्याय होगा। इसके साथ ही पार्टी ने पंचायत चुनावों में गैर-स्थानीय व्यक्तियों को मतदाता या उम्मीदवार बनाने की किसी भी कोशिश का कड़ा विरोध किया है।

पार्टी कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रमुख मनीष साहनी ने कहा कि प्रशासन अभी भी वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है जो पूरी तरह अनुचित है। पिछड़े वर्गों (ओबीसी) को न्यायसंगत आरक्षण तभी मिल सकता है जब प्रशासन के पास नवीन और सटीक जनसंख्या आंकड़े उपलब्ध हों।

वहीं मतदाता सूची के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए साहनी ने स्पष्ट कहा कि पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में बाहरी व्यक्तियों को मतदाता या उम्मीदवार बनाने की किसी भी कोशिश को शिवसेना बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि केवल वैध डोमिसाइल धारकों को ही मतदान और चुनाव लड़ने का अधिकार मिलना चाहिए क्योंकि स्थानीय निकायों पर पहला अधिकार जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों का है।

साहनी ने यह भी कहा कि जम्मू के लोगों ने देशहित में धारा 370 हटाने का खुलकर समर्थन किया था लेकिन आज जम्मू के लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। साहनी ने साफ कहा कि पहले नई जनगणना फिर चुनाव हो! जम्मू के स्वाभिमान की रक्षा के लिए शिवसेना हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

फराल चफादेयां को मिली पहली सड़क, जसरोटिया ने किया शुभारंभ

कठुआ, 17 मार्च (हि.स.)। दूरदराज क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने फराल से चफादेयां तक बनने वाली 3 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजना का शुभारंभ किया।

करीब 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क आजादी के बाद इस क्षेत्र की पहली सड़क होगी, जिसे लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा गया।

यह परियोजना लोक निर्माण विभाग डिवीजन कठुआ द्वारा यूटी कैपेक्स बजट 2025-26 के तहत क्रियान्वित की जाएगी। सड़क बनने से दूरस्थ गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, आवागमन आसान होगा और लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी। स्थानीय निवासियों ने इसे वर्षों पुरानी मांग पूरी होने जैसा बताते हुए कहा कि सड़क न होने के कारण उन्हें आपातकालीन स्थितियों और खराब मौसम में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। नई सड़क से न केवल रोज़मर्रा की जिंदगी आसान होगी बल्कि क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी अवसर पर विधायक ने जखोले में मोहल्ला शहीद चग्गर लिंक के लिए पीएमजीएसवाई सड़क के मैकाडमाइजेशन कार्य का भी उद्घाटन किया। करीब 15 लाख रुपये की लागत से होने वाला यह कार्य सड़क की गुणवत्ता सुधारकर आवागमन को सुरक्षित और सुगम बनाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जसरोटिया ने कहा कि सड़क संपर्क किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ होता है और इससे ग्रामीण इलाकों के सामाजिक व आर्थिक बदलाव को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे कार्य आगे भी प्राथमिकता पर किए जाएंगे। बाद में फराल में आयोजित जनता दरबार में विधायक ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। कई शिकायतों का तुरंत निपटारा किया गया, जबकि अन्य को तय समय सीमा में पूरा करने का आश्वासन दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ काम करने के निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने भरोसा दिलाया कि जनता की सभी जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे जन दरबार आयोजित किए जाते रहेंगे।

संपादकीय

सुरक्षा व्यवस्था को और मज़बूत करें

हालाँकि J&K में बर्फ़बारी और बारिश की वजह से गर्मी का मौसम थोड़ी देर से शुरू हो रहा है, लेकिन इस हफ़्ते नवरात्रि के त्योहार के साथ ही पर्यटन का मौसम भी शुरू होने वाला है। बाज़ार और दूसरी जगहें पहले से ही लोगों की चहल-पहल से गुलज़ार हैं, इसलिए सरकार के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और भी ज़्यादा चौकस करना ज़रूरी हो गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि देश-विरोधी तत्व इस स्थिति का फ़ायदा उठाकर किसी ऐसी जगह पर हमला कर सकते हैं, जिसे आम तौर पर सुरक्षित और महफ़ूज़ माना जाता है, और इस तरह वे माहौल को बिगाड़ सकते हैं।

अब समय आ गया है कि सुरक्षा एजेंसियाँ इस बात से सबक लें कि सुरक्षा में चूक से गंभीर हालात पैदा हो सकते हैं। इसका एक उदाहरण पिछले साल का पहलगाम आतंकी हमला है, जिसके चलते मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच एक ख़तरनाक सैन्य संघर्ष छिड़ गया था। जहाँ तक कश्मीर की बात है, एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन का खुलना भी पर्यटन के मौसम की शुरुआत का संकेत है, और इसलिए उस क्षेत्र में सुरक्षा भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

सरकार को केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को और भी ज़्यादा मज़बूत बनाने के लिए एक व्यापक योजना बनानी चाहिए। ऐसा इसलिए ज़रूरी है क्योंकि शांति के दुश्मन तत्व J&K की शांति भंग करने के लिए अपनी नापाक साज़िशें रच रहे होंगे।

इसमें कोई शक नहीं है कि सरकार किसी भी तरह के ख़तरे का मुक़ाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार है, और आने वाले दिनों में ऐसे किसी भी हमले की संभावना बहुत कम है। फिर भी, किसी भी तरह का जोखिम उठाना बिल्कुल भी समझदारी नहीं है। नवरात्रि के दौरान, यह उम्मीद की जाती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों और यहाँ तक कि विदेशों से भी हज़ारों लोग जम्मू क्षेत्र में स्थित माता वैष्णो देवी की पवित्र गुफ़ा के दर्शन करने और देवी का आशीर्वाद लेने के लिए आएँगे। इसलिए, सुरक्षा व्यवस्था को और भी ज़्यादा पुख़्ता और अभेद्य बनाना बेहद ज़रूरी हो जाता है।

कुल मिलाकर, जहाँ तक शांति भंग होने की बात है, केंद्र शासित प्रदेश अब किसी भी तरह के झटके को झेलने की स्थिति में नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शांति बहाल करने के लिए सुरक्षा बलों के जवानों ने बहुत ज़्यादा मेहनत की है और कई कुर्बानियाँ दी हैं। इस क्षेत्र को आतंकवाद से बचाने के लिए यह ज़रूरी है कि आम लोग भी सरकार के कान और आँख बनकर काम करें, ताकि देश-विरोधी तत्वों की साज़िशों को नाकाम किया जा सके।

एक बात तो तय है कि चाहे गर्मी का मौसम हो, सर्दी का, या फिर त्योहारों का मौसम—शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी हम सबकी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। इसलिए, सरकार, सुरक्षा एजेंसियों और आम जनता—सभी को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और देश-विरोधी तत्वों द्वारा शांति भंग करने की कोशिशों को नाकाम करने के लिए हर संभव कदम उठाने चाहिए। जहाँ तक पुलिस सहित सुरक्षा बलों का सवाल है, उन्हें सार्वजनिक परिवहन और दफ़्तरों के अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और मशहूर बाज़ारों जैसी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर भी नज़र रखनी चाहिए, क्योंकि त्योहारों के दौरान ये जगहें आतंकवादियों का निशाना बन सकती हैं।

आपदा में अवसर खोजने की मानसिकता- समाज के लिए एक खतरनाक संकेत

– कैलाश चन्द्र

मार्च 2026 के दूसरे सप्ताह से भारत में एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति और बुकिंग से जुड़ी चर्चा अचानक सुर्खियों में आ गई। देश के अनेक हिस्सों से गैस सिलिंडर की कमी, बुकिंग में देरी और डिलीवरी में व्यवधान जैसी खबरें तेजी से फैलने लगीं। सोशल मीडिया पर लोगों की चिंता देखकर यह विषय राष्ट्रीय चर्चा का केंद्र बन गया।

कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाए कि सिलिंडर मिल नहीं रहे, डिलीवरी डेट आगे बढ़ रही है और एजेंसियों पर दबाव बढ़ चुका है। इसके विपरीत केंद्र और राज्य सरकारों ने बार-बार स्पष्ट किया कि देश में कोई वास्तविक कमी नहीं है, परंतु कुछ क्षेत्रों में अचानक बढ़ी मांग और डिमांड-सप्लाई असंतुलन से अस्थायी तनाव अवश्य देखा गया है। यही तनाव इस पूरी चर्चा की शुरुआत बना।

इन खबरों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह रहा कि अचानक ऐसी स्थिति क्यों बनी? इसे समझने के लिए एलपीजी बुकिंग और सप्लाई के वास्तविक आंकड़ों को देखना आवश्यक है। मार्च 2026 के आरंभ में रोज़ाना रक्क बुकिंग 5.5 मिलियन के औसत स्तर से बढ़कर 7.6 मिलियन तक पहुँच गई। यह लगभग 35-40 प्रतिशत की उछाल थी, जिसे विशेषज्ञों ने 'पैनिक बुकिंग' की श्रेणी में रखा। कई शहरों में बुकिंग 2-3 गुना तक बढ़ गई।

एक प्रमुख महानगर में केवल छह दिनों के भीतर 12 लाख से अधिक बुकिंग दर्ज होना इसकी तीव्रता का प्रमाण था। दूसरी ओर सरकार का दावा था कि घरेलू सिलिंडर की डिलीवरी 2-2.5 दिन के सामान्य समय में ही हो रही है, और राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कोई गंभीर समस्या नहीं है, जिसे कमी कहा जाए। इसका अर्थ यह था कि समस्या व्यापक राष्ट्रीय अभाव की नहीं, बल्कि कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में अचानक मांग बढ़ने और वितरण प्रणाली पर बने अस्थायी दबाव की थी।

इस पूरे परिदृश्य के पीछे जो वास्तविक कारण उभरकर सामने आए, वे कई स्तरों पर काम कर रहे थे। पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक तनाव था। मध्य-पूर्व में ईरान, इज़राइल और अमेरिका के मध्य बढ़ते संघर्ष के कारण स्ट्रेट ऑफ़ हॉर्मुज़ जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग प्रभावित हुए। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है, इसलिए जहाजों में देरी, समुद्री बीमा लागत और जोखिम बढ़ने लगे। एलपीजी शिपमेंट का समय बढ़ा, जिससे भारतीय बंदरगाहों पर डिलीवरी शेड्यूल में भी देर हुई।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह था कि भारत आज भी LPG की अपनी कुल घरेलू आवश्यकता का लगभग 60-65% आयात करता है। अर्थात वैश्विक अस्थिरता का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ता तक पहुँच सकता है।

बड़े आयातक देशों में तनाव, शिपमेंट विलंब, पोर्ट कंजेशन और बर्किंग समय का बढ़ना, इन सभी का प्रभाव सीधे घरेलू सप्लाई चेन पर पड़ा। इसके अतिरिक्त ट्रकों की कमी, स्थानीय परिवहन में देरी, कुछ क्षेत्रों में सड़क मरम्मत या मौसम अवरोध जैसी घरेलू परिस्थिति ने भी दबाव बढ़ाया।

तीसरा कारण मीडिया और सोशल मीडिया के प्रभाव से उत्पन्न 'पैनिक बुकिंग' रहा। किसी भी संकट में यह मानवीय प्रतिक्रिया आमतौर पर देखी जाती है। जैसे ही कुछ उपभोक्ताओं ने देरी की बात साझा की, लोगों ने एक साथ अतिरिक्त सिलिंडर बुक करना शुरू कर दिया। कई परिवारों ने सुरक्षा कारणों से दो-तीन सिलिंडर अतिरिक्त बुक कर लिए। जबकि सामान्य परिस्थितियों में वे इतनी खपत नहीं करते। इस असामान्य मांग ने वितरण प्रणाली में तात्कालिक तनाव उत्पन्न किया और सामान्य चक्र बिगड़ गया।

इन परिस्थितियों को देखते हुए सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने कई त्वरित कदम उठाए। सबसे पहले रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया कि वे अपनी प्रोपेन-ब्यूटेन स्ट्रीम्स को एलपीजी उत्पादन में परिवर्तित करें, ताकि घरेलू बाजार की जरूरतें तुरंत पूरी हों। इस निर्देश से घरेलू एलपीजी उत्पादन लगभग 25त्न तक बढ़ाने में सफलता मिली। इससे तत्काल राहत मिली और डोमेस्टिक सप्लाई बैलेंस मजबूत हुआ।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम यह था कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत घरेलू उपभोक्ता को प्राथमिकता देने और ब्लैक मार्केटिंग पर रोक लगाने की कार्रवाई शुरू की गई। वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की जमाखोरी या कृत्रिम कमी की आशंका को खत्म किया गया। तीसरा कदम बुकिंग नियमों में संशोधन का था। पैनिक बुकिंग को रोकने के लिए बुकिंग गैप 25 दिन तक बढ़ाया गया। कुछ रिपोर्टों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में इसे 45 दिन तक भी बढ़ाया गया, जिससे बार-बार अनावश्यक बुकिंग रुक सके। इससे सिस्टम पर दबाव कम हुआ और जिन उपभोक्ताओं को वास्तव में सिलिंडर की जरूरत थी, उन्हें समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

सरकार ने सार्वजनिक रूप से यह भी कहा कि जहां पीएनजी (पाइप्ड नैचरल गैस) उपलब्ध है वहाँ उपभोक्ता अस्थायी रूप से पीएनजी को प्राथमिकता दें, ताकि एलपीजी वितरण पर दबाव संतुलित किया जा सके। इसके साथ-साथ अफवाहों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए प्रेस विज्ञप्तियों, मीडिया ब्रीफिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

इन सभी तात्कालिक उपायों ने संकट के विस्तार को रोका, लेकिन इस स्थिति का प्रभाव विभिन्न वर्गों पर अलग-अलग दिखाई दिया। घरेलू उपभोक्ता, जिनके लिए सरकार प्राथमिकता देती है, उन्हें सामान्यतः 2-3 दिन की डिलीवरी चक्र में सिलिंडर मिलता रहा। हालांकि कुछ क्षेत्रों में अस्थायी देरी का अनुभव हुआ। दूसरी ओर व्यापारिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं, विशेषकर होटल, रेस्टोरेंट और फूड उद्योग—को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति पर प्राथमिकता सीमित थी। कुछ छोटे व्यवसायों और एमएसएमई ने भी गैस की अनिश्चिता के कारण उत्पादन लागत बढ़ने की शिकायत की। इधर-उधर से ब्लैक मार्केटिंग की सूचनाएं भी मिलीं, हालांकि सरकार ने इन शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर स्थिति को नियंत्रित किया।

इस संकट के बीच कई मिथक भी उभरे, जिनमें प्रमुख था कि देश में गैस खत्म हो गई है। सरकारी आंकड़े और विशेषज्ञ रिपोर्टें इस दावे को स्पष्ट रूप से गलत साबित करती हैं। देश में पर्याप्त स्टॉक मौजूद था, और प्रमुख समस्या सप्लाई अभाव की नहीं बल्कि वितरण तनाव और पैनिक बुकिंग की थी। दूसरा मिथक यह था कि गैस आपूर्ति पूरी तरह रुक गई है, जबकि वास्तविकता यह थी कि देशभर में ट्रकिंग, रीफिलिंग और डिलीवरी कार्य एक सीमित देरी के साथ निरंतर जारी रहा।

> **दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह था कि भारत आज भी LPG की अपनी कुल घरेलू आवश्यकता का लगभग 60-65% आयात करता है। अर्थात वैश्विक अस्थिरता का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ता तक पहुँच सकता है।**
> **बड़े आयातक देशों में तनाव, शिपमेंट विलंब, पोर्ट कंजेशन और बर्किंग समय का बढ़ना, इन सभी का प्रभाव सीधे घरेलू सप्लाई चेन पर पड़ा। इसके अतिरिक्त ट्रकों की कमी, स्थानीय परिवहन में देरी, कुछ क्षेत्रों में सड़क मरम्मत या मौसम अवरोध जैसी घरेलू परिस्थिति ने भी दबाव बढ़ाया।**

इस अनुभव का सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू यह है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा रणनीति अब पहले से अधिक परिपक्व और दीर्घकालिक दिशा में बढ़ रही है। भारत घरेलू एलपीजी उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। आयात पोर्टफोलियो को मध्य-पूर्व पर अत्यधिक निर्भरता से हटाकर अमेरिका जैसे देशों की ओर विविधीकृत किया गया है। हाल ही में किया गया अमेरिका से एलपीजी आयात का दीर्घकालिक अनुबंध इस दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। यह विविधीकरण न केवल कीमतों को स्थिर करेगा, बल्कि भू-राजनीतिक तनावों के प्रभाव को भी काफी हद तक कम करेगा।

साथ ही PNG नेटवर्क के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पीएनजी का उपयोग बढ़ने से एलपीजी सिलिंडर पर निर्भरता कम होगी और घरेलू वितरण प्रणाली पर अचानक मांग का दबाव भी भविष्य में घटेगा। इलेक्ट्रिक कुकिंग उपकरणों, इंडक्शन तकनीक और ऊर्जा-कुशल घरेलू समाधानों को भी नीतिगत प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस तरह ऊर्जा सुरक्षा और उपभोक्ता सुविधा दोनों दिशाओं में काम जारी है।

अंततः, मार्च 2026 में जिस तरह एलपीजी संकट की चर्चा शुरू हुई, वह देश में किसी स्थायी अभाव का संकेत नहीं था। यह स्थिति वैश्विक तनाव, अस्थायी लॉजिस्टिक बाधाओं और सबसे अधिक पैनिक बुकिंग के कारण उत्पन्न हुई थी। सरकार, कंपनियों और उपभोक्ताओं के संतुलित व्यवहार ने स्थिति को जल्द नियंत्रित किया। अतः इस सम्पूर्ण घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति प्रणाली चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी संयम और क्षमता दोनों रखती है।

भविष्य की नीति ऊर्जा स्वतंत्रता, स्थायी आपूर्ति, आयात विविधीकरण और तकनीकी मजबूती की दिशा में और आगे बढ़ रही है। यह संकट एक चेतावनी अवश्य था, लेकिन साथ ही इसने यह भी सिद्ध किया कि भारत की ऊर्जा संरचना जितनी विशाल है, उतनी ही मजबूत भी।

परछाईयां : साहिर लुधियानवी की सृजन स्थली

विवेक शुक्ला

मुंबई कभी रुकती नहीं। यह शहर मानो समय की धड़कन पर दौड़ता रहता है—दिन-रात, बिना ठहरे, बिना थके। सड़कों पर भागती कारें, देर रात तक जगती रोशनियां और काम में डूबे लोग इस शहर की पहचान हैं। लेकिन जब आप जूहू की तरफ मुड़ते हैं और अरब सागर के किनारे पहुँचते हैं, तो अचानक सब कुछ बदल जाता है। शहर का शोर पीछे छूट जाता है। हवा में एक धीमी नमी है और लहरें एक अनवरत संगीत रचती रहती हैं। इसी शांत इलाके में छिपा है वह घर, जहां मशहूर शायर साहिर लुधियानवी ने अपने जीवन का लंबा और रचनात्मक समय बिताया। उस घर का नाम है—परछाईयां।

परछाईयां की तलाश में

रास्ते में कई लोगों से पूछते हैं। कोई कंधे उचकाकर कहता है—पता नहीं। कोई मुस्कराकर आगे बढ़ जाता है। लेकिन जिद है उस घर को देखने की, जहां साहिर ने अनेक कालजयी गीत और ग़ज़लें लिखीं। दीवारों को छूने की, उन कमरों की हवा में सांस लेने की। चलते रहते हैं, गलियों से गुजरते हैं। और अजीब संयोग—जैसे ही पूछना छोड़ देते हैं, रास्ता खुद खुल जाता है। अचानक एक बड़े, सलेटी रंग के शांत बंगले की नेमप्लेट पर नज़र ठहर जाती है। काले अक्षरों में रोमन लिपि में लिखा है—Parchhaiyan"।

परछाईयां- अर्थात साये। यह नाम पढ़ते ही साहिर की कई पंक्तियाँ ज़ेहन में उभर आती हैं। उनकी शायरी में गहरी उदासी थी, पर वह उदासी निराशा नहीं, बल्कि संवेदना की रोशनी थी। यह बंगला लगभग पांच सौ वर्ग गज में फैला है। मुंबई में रहने वाले वास्तु विशेषज्ञ डॉ जे.पी. शर्मा. लालधागेवाले साहिर साहब के बंगले को गुजरे कई दशकों को देख रहे हैं। वे बताते हैं कि इसकी बालकनियों से कभी अरब सागर साफ दिखता होगा। ऊपर की मंज़िलों में साहिर अपनी मां के साथ रहते थे। शाम ढलती, समुद्र से ठंडी हवा आती और कमरों में किताबों, काग़ज़ों और स्याही की हल्की गंध फैल जाती। यही वह जगह थी जहां रातें जागती थीं और शब्द धीरे-धीरे कविता का रूप ले लेते थे।

सृजन का माहौल और अमर गीत

इस घर के दरवाज़े दोस्तों के लिए हमेशा खुले रहते थे। फिल्मकार, संगीतकार, कवि और शायर यहां आया करते। कोई धुन गुनगुनाता, कोई राजनीति पर बहस छेड़ देता, तो कोई नई कविता सुनाता। साहिर चुपचाप सुनते, फिर अचानक एक पंक्ति कहते—और कमरे में सन्नाटा छा जाता, क्योंकि वह पंक्ति सीधे दिल में उतरती थी। इसी माहौल में कई अमर फिल्मी गीत जन्मे। जैसे उड़ें जब-जब ज़ुल्फें तेरी (फिल्मः नौटंकी), जो प्रेम की मस्ती को बयां करता है, या तुमसा नहीं देखा (फिल्मः तुमसा नहीं देखा), जिसमें साहिर की रोमांटिक संवेदना झलकती है।

उनकी पंक्तियाँ आदर्शों की टूटन, समाज की विडंबना और प्रेम की कोमलता को एक साथ बोलती थीं। उनकी कलम विरोध भी करती थी और इंसानियत की लौ बचाए रखती थी। फिल्म प्यासा के ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है जैसे गीत इसी घर की दीवारों में गूँजे होंगे, जहां सामाजिक अन्याय पर उनकी तीखी टिप्पणियाँ शब्दों में ढलती थीं। या अभी ना जाओ छोड़ कर卐 (फिल्मः हम दोनों), जो प्रेम की उदासी और बेचैनी को इतनी गहराई से व्यक्त करता है कि सुनकर दिल भर आता है।

साहिर का निजी संसार भी इसी घर में बसता था। उन्होंने विवाह नहीं किया। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी मां सरदार बेगम थीं। कहा जाता है कि किसी भी बड़ी चर्चा या निर्णय से पहले वे मां की राय अवश्य सुनते थे। मेहमान बैठे हों, बहस चल रही हो—वे उठकर मां के कमरे में जाते और पूछते, 卐आप क्या सोचती हैं?卐 मां के प्रति यह सम्मान उनके व्यक्तित्व की कोमलता को उजागर करता है। जब 1976 में उनकी मां का निधन हुआ, तो साहिर भीतर से खाली हो गए। चार वर्ष बाद, 25 अक्टूबर 1980 को दिल का दौरा पड़ने से उनका जीवन थम गया।

खामोशी और विरासत

साहिर के जाने के बाद परछाईयां पर लंबी खामोशी छा गई। कभी जिन कमरों में संगीत और कविता की गूँज रहती थी, वहां सन्नाटा बस गया। विरासत को लेकर विवाद हुए, विशाल लाइब्रेरी बिखर गई। कुछ पांडुलिपियाँ संयोग से मिलीं, जिन्हें चाहने वालों ने सहेज लिया। आज यह बंगला थोड़ा थका हुआ खड़ा है, जैसे समय की धूल उस पर जम गई हो। फिर भी दीवारें उन शब्दों की आहट संभाले हुए हैं। नेमप्लेट पर लिखे 卐परछाईयां卐 को छूते हुए लगता है कि सच्ची कविता दीवारों में नहीं, लोगों की स्मृतियों में रहती है। शायद इसलिए यह घर आज भी एक स्मारक की तरह खड़ा है, याद दिलाता हुआ कि एक शायर की सच्ची विरासत उसकी कविताएं और लोगों के दिल होते हैं। और जब शब्द दिल से निकले हों, तो वे मुंबई की भीड़ में भी कभी खोते नहीं।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक

ङ्कडॉ. मयंक चतुर्वेदी

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्राति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है।

दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है।

इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है।

ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं।

भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्रसमिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है।

एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित AIyAgri 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई संचालित होगी।

इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित Agri Param मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूर्वानुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है। यदि 60 करोड़ किसानों की उत्पादकता में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो यह इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर सिद्ध हो सकता है, और भारत इस परिवर्तन का सह-निर्माता बन रहा है।

ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल बना भारत की ताकत

भारत की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल है। पश्चिमी देशों के बंद और पेटेंट-आधारित ढांचे के विपरीत, भारत सुलभ और पारदर्शी एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। कम लागत वाले डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष अवसंरचना और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट एआई मॉडल भारत को व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल आधारित एआई समाधान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

भारत की जनसंख्या संरचना भी इस परिवर्तन को गति दे रही है। 1.4 अरब की आबादी, विशाल युवा प्रतिभा-आधार और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक एआई हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती है। आधार, यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार मंच प्रदान करते हैं। नीतिगत स्पष्टता, निवेश की बाढ़ और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का संयोजन भारत को एक अद्वितीय स्थिति में खड़ा करता है।

भारत विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख एआई निर्माता बनने की ओर अग्रसर

अतः इस संदर्भ में कहना यही है कि नई दिल्ली घोषणा ने आज ये संदेश दिया है कि एआई का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने के साथ ही समानता और समावेशन सुनिश्चित करना है। निवेश प्रतिबद्धताएं भारत को अवसंरचना और नवाचार की शक्ति प्रदान कर रही हैं, जबकि कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रयोग यह सिद्ध कर रहे हैं कि एआई जमीन पर वास्तविक परिवर्तन ला सकता है।

एएफसी एशियन कप 2027 के लिए वियतनाम क्वालीफाई, मलेशिया बाहर

एजेंसी

कुआलालंपुर। एएफसी एशियन कप 2027 की दौड़ में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। एशियाई फुटबॉल महासंघ की अनुशासन एवं नैतिकता समिति के फैसले के बाद मलेशिया को बाहर कर दिया गया, जबकि वियतनाम ने टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह फैसला मलेशिया के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है, जबकि वियतनाम के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। जहांगीर बागली की अध्यक्षता वाली एशियाई फुटबॉल महासंघ की अनुशासन एवं नैतिकता समिति ने पाया कि मलेशिया फुटबॉल संघ ने नियमों का उल्लंघन किया है। जांच में सामने आया कि टीम ने क्वालिफायर मुकाबलों में अयोग्य खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा था। यह कार्रवाई वियतनाम और नेपाल के खिलाफ खेले गए उन मुकाबलों को लेकर की गई, जिनमें मलेशिया ने क्रमशः 4-0 और 2-0 से जीत दर्ज की थी। समिति ने नियमों के तहत इन दोनों मैचों में मलेशिया को 3-0 से पराजित घोषित कर दिया। मलेशिया फुटबॉल संघ ने अपने बयान में बताया कि इस फैसले के तहत उस पर 50 हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। साथ ही, संघ ने कहा है कि वह इस निर्णय के कारणों को जानने के लिए लिखित अनुरोध करेगा और आगे की कार्रवाई पर विचार करेगा।

आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी और एसआरएच को बड़ा झटका, हेजलवुड और कमिंस शुरुआती मुकाबलों से बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलियाई खेल वेबसाइट कोड स्पोर्ट्स की रिपोर्ट्स के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दोनों खिलाड़ी फिलहाल अपनी चोटों की वजह से पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बैंगलुरु टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और एड़ी की नस से जुड़ी समस्या के कारण लंबे समय से बाहर हैं। माना जा रहा है कि वह कम से कम टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। उन्होंने पिछले करीब पांच महीनों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। पिछले सत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 22 विकेट लेकर टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी हैदराबाद टीम के कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और 28 मार्च को बैंगलुरु के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में शुरुआती मुकाबलों में ईशान किशन टीम की कप्तानी संभाल सकते हैं। कमिंस ने अपने आईपीएल करियर में अब तक 72 मुकाबलों में 79 विकेट लिए हैं।

प्रीमियर लीग के 'इंडिया सुपर फैन' बने रियान पराग, यादगार रहा लंदन का दौरा

लंदन। भारतीय क्रिकेटर रियान पराग ने अपने ब्रिटेन दौरे के समय प्रीमियर लीग के रोमांच को बेहद करीब से महसूस किया। राजस्थान रॉयल्स के नए कप्तान के रूप में पराग एक सप्ताह तक इंग्लैंड में रहे, जहां उन्होंने मैदान पर मुकाबलों को प्रत्यक्ष रूप से देखा, खिलाड़ियों से मुलाकात की। रियान पराग का यह दौरा न केवल उनके लिए एक यादगार अनुभव रहा, बल्कि भारतीय खेल प्रेमियों के लिए भी गर्व का विषय बना। प्रीमियर लीग के निर्णायक चरण में पराग ने मैनचेस्टर सिटी और वेस्ट हैम यूनाइटेड के बीच मुकाबला लंदन स्टेडियम में देखा। 62,500 दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर खेला गया यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। पराग ने इस अनुभव को 'अविस्मरणीय' बताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, 'प्रीमियर लीग का भारत में बहुत बड़ा प्रशंसक वर्ग है और मैं बचपन से इसे देखता आया हूं। लंदन स्टेडियम में मौजूद रहकर दर्शकों की आवाज, उनके नारे और पूरा माहौल महसूस करना वास्तव में अद्भुत था। जब पूरा स्टेडियम एक साथ टीम का समर्थन करता है, तो जो गूंज बनती है, वह बेहद खास होती है। भारत में क्रिकेट को लेकर भी ऐसा ही जुनून देखने को मिलता है, इसलिए उससे तुरंत जुड़ाव महसूस होता है। वहां जाकर लाखों प्रशंसकों का सपना जीना मेरे लिए यादगार अनुभव रहा।'

पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट का दमदार आगाज़,खालसा, किरोड़ी मल और विवेकानंद कॉलेज की शानदार जीत

नई दिल्ली। पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट का आगाज़ मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के मैदान पर शानदार मुकाबलों के साथ हुआ। पहले दिन पुरुष वर्ग में खालसा कॉलेज और किरोड़ी मल कॉलेज, जबकि महिला वर्ग में विवेकानंद कॉलेज ने प्रभावशाली जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग के मुकाबले में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान (आईजीआईपीईएस) को 6-0 के बड़े अंतर से पराजित किया। खालसा कॉलेज की जीत के नायक रहे विपिन, जिन्होंने चार गोल दागे, जबकि मनीष और तनुज ने एक-एक गोल का योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए विपिन को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। एक अन्य मुकाबले में किरोड़ी मल कॉलेज ने सेंट स्टीफंस कॉलेज पर 11-2 की एकतरफा जीत दर्ज की।

भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी खुशकिस्मती की बातः राहुल द्रविड़

एजेंसी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच और कप्तान राहुल द्रविड़ को बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। राहुल ने कहा कि यह उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है और भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बनना उनके लिए खुशकिस्मती की बात है। द्रविड़ के हेड कोच रहते हुए भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 के खिताब को अपने नाम किया था। वहीं, 2023 में वनडे वर्ल्ड कप में भी टीम इंडिया ने फाइनल तक का सफर तय किया था। राहुल द्रविड़ के साथ-साथ बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रोजर बिन्नी और मिताली राज को कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी-चाहे मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था या फिर बतौर एक कोच-मैंने बस उसे अच्छे काम को आगे बढ़ाया है, जो दूसरे लोगों ने किया था।' राहुल द्रविड़ ने कहा, 'मेरा भी एक दौर था, जब मुझे योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का मौका मिला। मुझे यह देखकर बहुत गर्व और खुशी होती है कि अगली पीढ़ी किस तरह उस विरासत को आगे बढ़ा रही है। हमें जो सफलताएं मिली हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा मैनेजमेंट, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे मुकाम पर ले जा रही हैं।' भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को संभाल चुके राहुल द्रविड़ ने कहा कि यह अवॉर्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। 'यह अवॉर्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवॉर्ड के पिछले विजेताओं के नक्शेकदम पर चला, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। यह सच में वह लोग हैं जिन्हें मैंने अपना आदर्श माना है, जिनकी तारीफ की है, और यह सभी मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहे हैं।'

द्रविड़ ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैं इसके लिए दिल से आभारी हूं और खुद को बहुत विनम्र महसूस करता हूं। जब मैं छोटा था और पहली बार अंडर-15 क्रिकेट खेल रहा था, तब से लेकर आज तक मुझे भारतीय क्रिकेट से जुड़े रहने का मौका मिला। इतने वर्षों में जो भी अवसर मुझे मिले, उनके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। सच कहूं तो भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ी खुशकिस्मती की बात है।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड टी-20 सीरीज से बाहर

एजेंसी

माउंट माउंगानुई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के बाकी 4 मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उन्हें दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट लगी है। हरमन बे ओवल मैदान पर खेले गए पहले टी-20 मुकाबले के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय चोटिल हो गए। चोट लगने के बाद वह मैच में आगे हिस्सा नहीं ले सके। बाद में कराए गए स्कैन में ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग चोट की पुष्टि हुई है। दक्षिण अफ्रीकी टीम प्रबंधन ने अभी तक हरमन के स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि मेहमान दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी-20 मुकाबले में सात विकेट से जीत दर्ज कर श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है।

आईपीएल 2026: लैंगर-मूडी ने मैदानकर्मियों को भेंट की एलएसजी की जर्सी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। आगामी सीजन की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के हेड कोच जस्टिन लैंगर और क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी ने मंगलवार को अपने घरेलू मैदान भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मैदानकर्मियों को जर्सी भेंट की। एलएसजी की टीम आईपीएल 2026 में अपने अभियान का आगाज एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर करेगी। इसके बाद टीम अपना अगला मुकाबला 5 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। आईपीएल 2026 के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक, लखनऊ सुपर जायंट्स को 4 मैच खेलने हैं। ऋषभ पंत की कप्तानी में एलएसजी 9 अप्रैल को ईडन गार्डन्स के मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी। वहीं, 12 अप्रैल को टीम का सामना घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस से होगा। लखनऊ टीम की तैयारियां जोरों पर हैं। कई खिलाड़ी टीम के कैंप से जुड़ चुके हैं और जमकर ट्रेनिंग कर रहे हैं। ऋषभ पंत और मोहम्मद शमी के भी जल्द कैंप से जुड़ने की उम्मीद है। लैंगर और मूडी के मैदानकर्मियों को भेंट की गई नई जर्सी की तस्वीरें शेयर करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, 'हमारे मैदानकर्मियों के लिए, सीधे हमारे दिल से।' शुरू हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के ट्रेनिंग सेशन के दौरान बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी अब्दुल समद और हिम्मत सिंह के साथ-साथ

ऑलराउंडर आयुष बदोनी, शाहबाज अहमद और अर्शिन कुलकर्णी ने नेट्स में प्रभावित किया। अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, आवेश खान के पेस अटैक ने अपनी रफ्तार और शानदार लाइन एंड लेंथ के लिए कोचिंग स्टाफ से तारीफ बटोरी। सभी खिलाड़ियों को जस्टिन लैंगर और टॉम मूडी सेशन के दौरान अहम सलाह देते हुए भी नजर आए। सहायक कोच कोच लांस क्लूजनर और भरत अरुण ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कड़ी नजर बनाए रखी। 2022 में डेब्यू करने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम दो बार प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। हालांकि, पिछले दो सीजन टीम के लिए निराशाजनक रहे हैं। ऋषभ पंत की कप्तानी में आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स ने सातवें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। टीम 14 में से सिर्फ 6 मुकाबलों में ही जीत दर्ज कर सकी थी।

न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीकाः चोट के चलते टी20 सीरीज से बाहर हुए जॉर्डन हरमन

एजेंसी

हैमिल्टन। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। हरमन हैमस्ट्रिंग इंजरी से जूझ रहे हैं, जिसके चलते अब वह बचे हुए 4 टी20 मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। माउंट माउंगानुई के बे ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मैच में ही जॉर्डन हरमन ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था। इस मुकाबले में फील्डिंग करते हुए हरमन चोटिल हो गए थे और मुकाबले में आगे हिस्सा ले सके थे। हरमन के स्कैन में ग्रेड टू टियर की पुष्टि हुई है। हालांकि, प्रोटियाज टीम ने अभी तक हरमन के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' के जरिए इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, 'जॉर्डन हरमन न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के बाकी मैच से दाईं हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बाहर हो गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज को यह चोट रविवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में अपने डेब्यू मैच में फील्डिंग करते समय लगी और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा था। हरमन बल्लेबाजी करने भी नहीं उतरे थे। बाद में स्कैन से ग्रेड टू टियर की पुष्टि हुई है। रिप्लेसमेंट के लिए किसी का नाम नहीं लिया गया है।' पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका का प्रदर्शन शानदार रहा था। केशव महाराज की कप्तानी में प्रोटियाज टीम ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम सिर्फ 91 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। नकोबानी मोकोएना ने अपने डेब्यू मैच में ही

बेहतरीन बॉलिंग करते हुए 3.3 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि गेराल्ड कोएत्जी ने 14 रन देकर 2 विकेट निकाले थे। वहीं, कप्तान केशव महाराज ने भी 25 रन देकर 2 विकेट झटके थे। 92 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने सिर्फ 3 विकेट खोकर 16.4 ओवर में हासिल कर लिया था। टीम की ओर से कॉनर एस्टरहुइजन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 48 गेंदों में 45 रन नाबाद रहे थे। डियान फॉरेस्टर ने भी 16 रनों का योगदान दिया था और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे थे।

आईपीएल 2026: राजस्थान रॉयल्स से जुड़े वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से होगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल राजस्थान रॉयल्स की टीम से जुड़ गए हैं। राजस्थान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर वीडियो शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स अपने अभियान का आगाज 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ करेगी। पिछले सीजन राजस्थान का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम 14 मुकाबलों में से सिर्फ 4 में ही जीत दर्ज कर सकी थी। राजस्थान ने 9वें स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट का अंत किया था। आईपीएल 2026 के लिए राजस्थान ने रियान पराग को कप्तान बनाया है। राजस्थान की ओर से इस बार रवींद्र जडेजा और सैम करन खेलते हुए दिखाई दे देंगे। टीम ने जडेजा और करन को संजू

सैमसन के बदले चेन्नई सुपर किंग्स से ट्रेड किया है। वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में शानदार रहा था। 14 वर्षीय बल्लेबाज ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 7 मुकाबलों में 206 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 252 रन बनाए थे। वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मैच में सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह आईपीएल के इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे।

राजस्थान रॉयल्स के लिए भले ही पिछला सीजन खराब रहा था, लेकिन यशस्वी जायसवाल ने अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया था। यशस्वी ने 14 मुकाबलों में 159 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 559 रन बनाए थे। इस दौरान बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 6 अर्धशतक लगाए थे। आईपीएल 2026 में राजस्थान की ओर से यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में यशस्वी के ऊपर इस सीजन बड़ी जिम्मेदारी होगी। वहीं, इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन में रियान पराग की कप्तानी का भी टेस्ट होगा। आईपीएल 2026 के पहले चरण के शेड्यूल में राजस्थान को कुल 4 मैच खेलने हैं, जिसमें से टीम तीन मुकाबले अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी।

2030-2036 के वैश्विक खेल चक्र की तैयारी अभी से जरूरीः जय शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खेलों के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए दीर्घकालिक योजना की जरूरत पर जोर देते हुए आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि देश को 2030 से 2036 के वैश्विक खेल चक्र की तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल महासंघों, कॉरपोरेट जगत, खिलाड़ियों और मीडिया के समन्वित प्रयास से ही भारत अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है।

जय शाह स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के गोल्डन जुबली राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन आयोजित ग्रैंड स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित किया गया था, जिसकी मेजबानी दिल्ली स्पोर्ट् जर्नलिस्ट एसोसिएशन (डीएसजेए) ने की। जय शाह ने कहा कि मौजूदा प्रतियोगिताओं पर ध्यान देने के साथ-साथ भविष्य की बड़ी खेल प्रतियोगिताओं के लिए भी अभी से तैयारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स, 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक और 2036 ओलंपिक जैसे आयोजनों को ध्यान में रखकर दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी, तभी भारत वैश्विक खेल मंच पर अपनी मजबूत पहचान बना पाएगा। भारतीय क्रिकेट की हालिया उपलब्धियों का जिक्र करते हुए शाह ने 2019 से 2026 के दौर को स्वर्णिम काल बताया। उन्होंने कहा कि इस अवधि में भारतीय क्रिकेट ने अंडर-19 टूर्नामेंट से लेकर बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों तक हर स्तर पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने भारत की टी20 विश्व कप जीत को ऐतिहासिक क्षण बताते हुए खेल पत्रकारों की भूमिका की भी सराहना की, जिन्होंने इन उपलब्धियों को देशभर के करोड़ों प्रशंसकों तक पहुंचाया।

आईपीएल 2026: मुंबई इंडियंस के स्क्वाड से जुड़े रोहित शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के आगाज का काउंटडाउन शुरू हो गया है।

28 मार्च को लीग का पहला मुकाबला खेला जाएगा। आईपीएल के नए सीजन के लिए स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा मंगलवार को मुंबई इंडियंस के स्क्वाड से जुड़ गए हैं। मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में एमआई ने बताया कि हिटमैन नए सीजन से पहले टीम में शामिल हो रहे हैं! मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा का एक और वीडियो जारी कर कहा था कि मुंबई का बादशाह आ चुका है। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा काफी लंबे वक्त से खेल रहे हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस पांच बार आईपीएल चैंपियन बन चुकी है। आईपीएल में

रोहित शर्मा के पास काफी अनुभव है, जिसका फायदा एमआई को मिलता है। मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को आईपीएल 2026 के लिए 16.30 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। रोहित शर्मा के आईपीएल करियर की बात करें तो हिटमैन अब तक 272 मुकाबले खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 29.73 की औसत से 47 अर्धशतक और दो शतक जड़े हैं। आईपीएल में रोहित शर्मा का नाबाद 109 रन बेस्ट स्कोर है। रोहित ने इस लीग में 302 छक्के जड़े हैं।

आईपीएल 2026 के लिए मुंबई इंडियंस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस के खेमे में शामिल होकर शार्दुल ठाकुर, मयंक मार्कंडेय, अल्लाह गजांफर, नमन धीर, राजा अंगद बावा, रॉबिन मिंज, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, मोहम्मद इजहार और अश्वनी कुमार ने अभ्यास शुरू कर दिया है।

अब रोहित शर्मा भी मुंबई इंडियंस के खेमे में अभ्यास करते हुए नजर आएंगे। इस सीजन में मुंबई का पहला मुकाबला 29 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ है। पहले मुकाबले को जीतने के लिए मुंबई इंडियंस तैयारी में जुट गई है।

आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़े कप्तान शुभमन गिल

एजेंसी

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 के लिए शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की टीम से जुड़ गए हैं। गुजरात की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन के लिए जमकर तैयारी कर रही है और नाथद्वारा के मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में प्री-सीजन कैंप के साथ उनकी तैयारियां जोरों पर हैं। आईपीएल 2026 में गुजरात अपने अभियान का आगाज 31 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में करेगी। गुजरात अपने घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी। सीजन के पहले चरण के शेड्यूल के मुताबिक गुजरात दो मुकाबले घर में और 2 घर से बाहर खेलेगी। गुजरात टाइटंस आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। टीम ने चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ का टिकट कटाया है। वहीं, 2022 में गुजरात टाइटंस चैंपियन भी बनी थी। आगामी सीजन के लिए गुजरात ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को अपना बैटिंग कोच नियुक्त करने की घोषणा की है, जबकि भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को सहायक कोच के रूप में चुना है। इस कदम से फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और भी मजबूत हो गया है।

विश्व कप विजेता और अपने दौर के सबसे जबरदस्त सलामी बल्लेबाजों में से एक, हेडन शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर और आधुनिक टी20 बैटिंग की बारीकियों में अपनी विशेषज्ञता के साथ टाइटन्स के सेटअप में शामिल हुए हैं। वह फ्रेंचाइजी के सपोर्ट स्टाफ को और मजबूती प्रदान करेंगे, क्योंकि टीम 2026 सीजन के लिए नए जोश के साथ तैयारियों में जुटी हुई है।

आईपीएल 2025 में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने एलिमिनेटर तक का सफर तय किया था। हालांकि, एलिमिनेटर मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन का प्रदर्शन बल्ले से शानदार रहा था। सुदर्शन टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और उन्होंने 15 मुकाबलों में 156 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 759 रन बनाए थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर हुए बेवन जैकब्स, कवर के तौर पर कटेने क्लार्क शामिल

एजेंसी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज बेवन जैकब्स घुटने की चोट के कारण इस मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अनकैप्ड खिलाड़ी कटेने क्लार्क को टीम में कवर के तौर पर शामिल किया गया है। 23 वर्षीय जैकब्स को पहला टी20 खेलते समय माउंट माउंगानुई में फील्डिंग के दौरान बाएं घुटने में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। स्कैन में उनके घुटने के किनारे बोन ब्रूज़िंग (हड्डी में चोट) की पुष्टि हुई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि उनकी वापसी को लेकर आगे और जांच की जाएगी। वहीं 26 वर्षीय कटेने क्लार्क हाल ही में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की सुपर स्मैश खिताबी जीत में शानदार फॉर्म में नजर आए थे। उन्होंने टूर्नामेंट में 9 पारियों में 431 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 61.57 और स्ट्राइक रेट 171.71 रहा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 मुकाबला मंगलवार, 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा। पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने सात विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज में बढ़त बना ली है।

वर्ल्ड कप वॉर्मअप मुकाबलों के लिए नेमार ब्राजील टीम से बाहर

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। दुनिया के सबसे मशहूर फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक नेमार को फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ फ्रेंडली मुकाबलों के लिए ब्राजील की टीम में जगह नहीं दी गई।

यह मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के लिए इस साल के फीफा वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम को फाइनल करने से पहले खिलाड़ियों को परखने का आखिरी मौका है। नेमार रविवार को अपनी हालिया चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौटे। वह ब्राजील के सीरी ए में 90 मिनट तक मैदान पर खेले और उन्होंने कोरिंथियंस के साथ सैंटोस के 1-1 के घरेलू ड्रॉ में एक असिस्ट भी किया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 27 लोगों की लिस्ट में नेमार के न होने के बावजूद एंसेलोटी ने 34 साल के खिलाड़ी के संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले वर्ल्ड कप में खेलने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया। एंसेलोटी ने कहा, 'मैंने इस बार उन्हें टीम में क्यों नहीं रखा, क्योंकि वह 100 प्रतिशत फिट नहीं है और हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो 100 प्रतिशत फिट हों। नेमार अगर पूरी तरह से फिट हो जाते हैं, तो वह अभी वर्ल्ड कप की टीम में शामिल हो सकते हैं।'

ब्राजील 26 मार्च को बोस्टन में फ्रांस से और पांच दिन बाद ऑरलैंडो में क्रोएशिया से खेलेगा। साउथ अमेरिकन टीम अपना वर्ल्ड कप कैंपेन 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को ग्रुप सी में स्कॉटलैंड से ब्राजील का सामना होगा। एंसेलोटी ने कहा कि नेमार को तकनीकी स्तर पर कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। नेमार को बाहर रखने का फैसला उनके बैकरूम स्टाफ के साथ मिलकर लिया गया था। रियल मैड्रिड के पूर्व बॉस ने कहा, 'यह एक शारीरिक मूल्यांकन है, तकनीकी नहीं। बॉल के साथ वह बहुत अच्छे हैं, लेकिन उन्हें शारीरिक तौर पर सुधार करने की जरूरत है, क्योंकि कोचिंग स्टाफ और मेरे लिए वह अपनी काबिलियत के हिसाब से 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। यही वजह है कि उन्हें अपनी क्षमता के 100 प्रतिशत तक पहुंचने के लिए काम करना होगा। यह मेरी और स्टाफ में हर उस व्यक्ति की राय है जो उनके गेम देखते हैं।'

ब्राजील की टीम में फ्लैमेंगो के सेंटर-बैक लियो परेरा, गैलाटसराय के मिडफील्डर गैब्रियल सारा, ब्रेंटफोर्ड के स्ट्राइकर इगोर थियागो और बोर्नमाउथ के फॉरवर्ड रेयान के रूप में 4 नए खिलाड़ियों को जगह दी गई है। ल्योन की तरफ से खेलते हुए शानदार फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ी एंड्रिक को भी टीम में रखा गया है।

ब्राजील टीम का स्क्वॉड

गोलकीपरः एलिसन (लिवरपूल), बेंटो (अल-नासर), एडरसन (फेनरबाचे)

डिफेंडरः वेस्ली (एएस रोमा), एलेक्स सैंड्रो (फ्लेमेंगो), डगलस सैंटोस (जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग), मार्क्विनहोस (पेरिस सेंट जर्मेन), गेब्रियल मैगलहेस (आर्सेनल), ब्रेमर (जुवेंटस), डैनिलो (फ्लेमेंगो), इबानेज (अल-अहली), लियो परेरा (फ्लेमेंगो)

मिडफील्डरः एंड्री सैंटोस (चेल्सी), कैसेमिरो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), डैनिलो (बोटाफोगो), फैबिन्हो (अल-इत्तिहाद), गेब्रियल सारा (गैलाटासराय)

फॉरवर्डः एंड्रिक (ओलंपिक लियोनिस), इगोर थियागो (ब्रेंटफोर्ड), लुइज हेनरिक (जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग), रेयान (बोर्नमाउथ), जोआओ पेड्रो (चेल्सी), गेब्रियल मार्टिनेली (आर्सेनल), माथियस कुन्हा (मैनचेस्टर यूनाइटेड), राफिन्हा (बार्सिलोना), विनीसियस जूनियर (रियल मैड्रिड)।

ट्रैवलस्टैक टेक को आईपीओ के लिए सेबी से मिली अंतिम मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। फैबहोटल्स की मूल कंपनी ट्रैवलस्टैक टेक लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आखिरी मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 17 दिसंबर, 2025 को सेबी के समक्ष अपने आईपी के लिए ड्रॉफ्ट दस्तावेज जमा किए थे। सेबी के अनुसार ट्रैवलस्टैक टेक के प्रस्तावित आईपीओ में 250 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके साथ प्रवर्तकों एवं अन्य शेयरधारकों द्वारा 2,68,52,969 शेयरों तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी इसमें शामिल है। इसमें शेयर बेचने वाले प्रमुख निवेशक अनुपम मित्तल, एक्सेल इंडिया IV (मॉरीशस) लिमिटेड, ग्लोबल प्राइवेट ऑपर्च्युनिटीज पार्टनर्स II एल पी, ग्लोबल प्राइवेट ऑपर्च्युनिटीज पार्टनर्स II ऑफशोर होल्डिंग्स एल पी, पैथेरा ग्रोथ फंड II वीसीसी, पीजीपी इंडिया ग्रोथ फंड I, पैथेरा ग्रोथ II, एक्सटीओ10एक्स मॉरीशस प्राइवेट लिमिटेड और क्वालकॉम एशिया पैसिफिक प्राइवेट लिमिटेड है। ट्रैवलस्टैक टेक लिमिटेड नए इश्यू से मिलने वाली 135 करोड़ रुपये की रकम का इस्तेमाल कंपनी की कार्यशील पूंजी की जरूरतों को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए करेगी। इसके अलावा 45 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्जों की पूरी या आंशिक चुकौती और/या पूर्व-भुगतान के लिए, और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

ग्रामीण आजीविका को गति देंगी इलेक्ट्रिक साइकिलें, राष्ट्रीय कार्यशाला में माइक्रोमोबिलिटी पर मंथन

नई दिल्ली। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका को मजबूत बनाने और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक साइकिलों के उपयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) की सहायक कंपनी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) के सहयोग से आयोजित किया। कार्यशाला का विषय इलेक्ट्रिक साइकिलें ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाती हैं रहा। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि किफायती, सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने मंत्रालयों, राज्यों, उद्योग और विकास भागीदारों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि इलेक्ट्रिक माइक्रोमोबिलिटी समाधानों को बड़े स्तर पर लागू किया जा सके। इस अवसर पर सामाजिक और परिवर्तनकारी ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण (एसटीआरआईई) प्रभाव आकलन रिपोर्ट भी जारी की गई। साथ ही पायलट राज्यों की स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को इलेक्ट्रिक माइक्रोमोबिलिटी को बढ़ावा देने में योगदान के लिए ऊर्जा चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया।

नये हालात में अमेरिका से परस्पर लाभकारी समझौते की बातचीत जारीः वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन के जवाबी आयात शुल्कों को निरस्त करने के वहां के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद उत्पन्न स्थिति में भारत पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के हवाले से कहा है कि गत 20 फ़रवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प सरकार द्वारा भारत सहित विभिन्न देशों के खिलाफ लगाये गये जवाबी शुल्कों जिस तरह अमान्य घोषित किया है उससे भारत पर ये शुल्क अब प्रभाव में नहीं हैं। इस बीच अमेरिकी प्रशासन ने व्यापार अधिनियम, 1974 की धारा 122 के तहत सभी देशों से आने वाले कुछ उत्पादों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाने के लिए अधिशासी आदेश जारी किए हैं। इसी सदर्भ में वाणिज्य सचिव के हवाले से कहा गया है, ' भारत, दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है।' श्री अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट के 20 फरवरी के फैसले से पहले भारत और अमेरिका के बीच दो फ़रवरी को घोषित अंतरिम द्विपक्षीय व्यापारिक समझौते का हवाला देते हुए कहा है कि इस समझौते के लिए सात फ़रवरी को एक संयुक्त बयान जारी किया गया था।

रुपया दो पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 1.75 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 92.2825 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 92.30 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर रही थी। रुपये में आज उतार-चढ़ाव रहा। यह 14 पैसे लुढ़ककर 92.44 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और दोपहर से पहले 92.4750 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया था। कारोबारियों ने बताया कि निजी और सार्वजनिक बैंकों की डॉलर खरीद बढ़ाने से भारतीय मुद्रा को मजबूती मिली और कारोबार की समाप्ति पर यह 92.2825 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुई। भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से रुपये पर दबाव रहा। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में गिरावट से भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला।

'भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर नया शुल्क ढांचा तय होने के बाद ही होंगे'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर अमेरिका के नए वैश्विक शुल्क ढांचा तैयार होने के बाद ही किए जाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अमेरिका की नई वैश्विक टैरिफ संरचना लागू होने के बाद भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। अधिकारी ने कहा, अंततः हर देश एक पैकेज के हिस्से के रूप में ऐसा समझौता करता है, जिसमें उसे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले तुलनात्मक लाभ मिलता है।'' अमेरिका के साथ प्रस्तावित अंतरिक व्यापार समझौते पर अधिकारी ने कहा, जब भी हम तैयार होंगे, अमेरिकी पक्ष नए टैरिफ आर्किटेक्चर के साथ तैयार होगा। वह इस समझौते सौदे पर हस्ताक्षर करने का उपयुक्त समय होगा।

आधिकारिक सूत्र ने बताया कि

अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर किए जाने थे, लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के कारण अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) टैरिफ अब अस्तित्व में नहीं है। अनुच्छेद 122 के तहत 10 फीसदी टैरिफ अब वैश्विक स्तर पर मौजूद हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत जिस भी समझौते पर हस्ताक्षर करेगा, वह टैरिफ संरचना के खिलाफ हस्ताक्षरित किया जाएगा। अमेरिका वैश्विक टैरिफ पर एक टैरिफ आर्किटेक्चर को फिर से बनाने की कोशिश कर रहा है। एक बार जब अमेरिका इसे बना लेगा, तो उस पर हस्ताक्षर करना बेहतर होगा। वास्तविक हस्ताक्षर तब किए जाएंगे जब विश्व स्तर पर टैरिफ की नई संरचना अमेरिका द्वारा की जाएगी।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, हम रूसी तेल खरीद रहे हैं। रूस से कच्चे तेल की खरीदारी में और बढ़ोतरी हुई है। कनाडा के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर दोनों पक्ष पहले से ही वर्चुअली चर्चा कर रहे हैं, जो इस महीने भी होने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक ढांचे को अंतिम रूप देने की घोषणा पिछले महीने की थी। इस ढांचे के तहत अमेरिका ने भारत पर शुल्क 18 फीसदी तक कम करने पर सहमति जताई थी, लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक शुल्क को निरस्त करने के बाद ट्रंप ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर फिलहाल 10 फीसदी शुल्क लागू कर दिया है।

टाटा मोटर्स एक अप्रैल से वाणिज्यिक वाहनों की कीमतें 1.5 फीसदी तक बढ़ाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने वाणिज्यिक वाहनों की की कीमतों में 1.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी। कंपनी ने शेयर बाजार को एक अप्रैल से अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 1.5 फीसदी तक की वृद्धि करने की जानकारी दी। टाटा मोटर्स ने बताया कि यह मूल्य वृद्धि विभिन्न मॉडलों और वेरिएंट के अनुसार अलग-अलग होगी। कंपनी ने कहा कि जिंस की बढ़ती कीमतों और अन्य लागत व्यय के प्रभाव को कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है। टाटा मोटर्स के मुताबिक इस फैसले का उद्देश्य लागत में वृद्धि के प्रभाव को कम करना है।

आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं से कच्चे तेल में तेजी जारी, ब्रेंट क्रूड करीब 3 प्रतिशत उछला

एजेंसी

मुंबई । आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के चलते कच्चे तेल में तेजी जारी है और मंगलवार को कीमतों में करीब 3 प्रतिशत तक का उछाल देखने को मिला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 2.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 103.03 डॉलर प्रति औंस और डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 95.03 डॉलर प्रति औंस पर था। कच्चे तेल में तेजी की वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, फारस की खाड़ी में एक संकरा रास्ता है, जिससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का व्यापार होता है। इस कारण वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग बना हुआ है, और इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट से बाजारों को गंभीर जोखिम हो सकता है। अमेरिका, इजरायल से युद्ध के चलते ईरान से इसे बंद कर दिया है, जिससे पूरी दुनिया की कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस कारण बीते एक महीने में वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है। भारत

भी ईरान से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारतीय जहाजों की आवाजाही शुरू करने के लिए लगातार बातचीत कर रहा है। इसके चलते ईरान ने दो एलपीजी लदे भारती ध्वज वाले जहाज शिवालिक और नंदा देवी को इजाजत दे दी है। इन दोनों जहाजों में से शिवालिक गुजरात के मुद्रा पोर्ट पर डॉक कर चुका है। वहीं, एक अन्य जहाज नंदा देवी मंगलवार को गुजरात के कांडला पोर्ट पर डॉक करेग। इससे देश की एलपीजी आपूर्ति को बूस्ट मिलेगा। इससे अलावा, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारतीय ध्वज वाला जहाज 'जग लाडकी' करीब 80,000 टन से अधिक कच्चा तेल लेकर भारत के लिए रवाना हो गया है। यह इस हफ्ते भारत आ जाएगा। इससे देश में कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ेगी।

विश्लेषकों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र से कच्चे तेल के आयात पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भारत सहित एशियाई अर्थव्यवस्थाएं विशेष रूप से संवेदनशील बनी हुई हैं।

तीन दिन की बड़ी गिरावट के बाद शेयर बाजार ने की शानदार वापसी, निवेशकों ने एक दिन में कमाये 75 हजार करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीन कारोबारी दिन तक बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने शानदार वापसी की। आज आखिरी घंटे के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी जबरदस्त मजबूती हासिल करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.26 प्रतिशत और निफ्टी 1.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज के कारोबार की कमजोर शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद दोपहर दो बजे के कुछ देर बाद तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार करते रहे। इसके बाद खरीदारों ने जम कर खरीदारी शुरू कर दी। इस खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 1,855 अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी भी निचले स्तर से लगभग साढ़े पांच सौ अंक उछलने में सफल रहा। हालांकि, अंत में हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में मामूली गिरावट भी आई।

आज के कारोबार में ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और एफएमसीजी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया, ऑयल एंड गैस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह रियल्टी, कैपिटल गुड्स, आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 75 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 430.57 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 429.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 75 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,537 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,509 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,860 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 168 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 3,004 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 964 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,040 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

देश भर में 57.78 करोड़ जन धन खाते खोले गए हैं, जिनमें 55.8 प्रतिशत महिलाओं के हैंः निर्मला सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बताया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत 25 फरवरी 2026 तक देश में कुल 57.78 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में कुल जमा राशि लगभग 2,94,702 करोड़ रुपए है। वित्त मंत्री ने बताया कि इनमें से 32.21 करोड़ यानी करीब 55.8 प्रतिशत जन धन खाते महिलाओं के नाम पर हैं। वहीं करीब 45.17 करोड़ खाते (78.2 प्रतिशत) ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, जिससे वित्तीय सेवाओं की पहुंच गांवों तक बढ़ी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत 25 फरवरी तक कुल 26.88 करोड़ लोगों ने नामांकन कराया है। इस योजना के तहत किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए का जीवन बीमा कवर मिलता है।

वहीं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 57.11 करोड़ नामांकन किए जा चुके

हैं (25 फरवरी 2026 तक)। इस योजना के तहत एक साल के लिए दुर्घटना बीमा कवर मिलता है, जिसमें मृत्यु या पूर्ण स्थायी विकलांगता पर 2 लाख रुपए और आंशिक स्थायी विकलांगता पर 1 लाख रुपए की सहायता मिलती है।

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत भी 25 फरवरी 2026 तक कुल 8.84 करोड़ लोगों ने नामांकन कराया है, जिसके जरिए पात्र लोगों को हर महीने पेंशन देने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 57.26 करोड़ लोन मंजूर किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 39.48 लाख करोड़ रुपए है। इस योजना के जरिए छोटे और सूक्ष्म कारोबारों को बिना गारंटी के 20 लाख रुपए तक का कर्ज दिया जाता है, ताकि वे विनिर्माण, व्यापार, सेवा क्षेत्र और कृषि से जुड़े कामों में आय बढ़ा सकें।

स्टैंड-अप इंडिया योजना (एसयूपीआई) के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों को 2.75 लाख लोन दिए गए हैं, जिनकी कुल राशि 62,790 करोड़ रुपए है (31 मार्च 2025 तक)। इन ऋणों के जरिए मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग, सर्विस और कृषि से जुड़े नए प्रोजेक्ट शुरू करने में मदद दी जाती है।

वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के लिए जेएएम प्लेटफॉर्म (जन धन-आधार-मोबाइल) बनाया गया है, जिसके जरिए जन धन खाते को आधार और मोबाइल नंबर से जोड़ा जाता है। इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कई मंत्रालय और विभाग विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ सीधे लोगों के खातों में पहुंचाने के लिए करते हैं, जिसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) कहा जाता है।

देश का निर्यात फरवरी में घटकर 36.61 अरब डॉलर, व्यापार घाटा 27.1 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। । देश का वस्तु निर्यात फरवरी में 0.81 फीसदी घटकर 36.61 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। इस दौरान आयात 24.11 फीसदी बढ़कर 63.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि फरवरी, 2025 में यह 51.33 अरब डॉलर रहा था। इस दौरान व्यापार घाटा 27.1 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक पश्चिम एशिया संकट के बीच देश का वस्तु निर्यात फरवरी में 0.81 फीसदी घटकर 36.61 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। हालांकि, फरवरी में आयात 24.11 फीसदी बढ़कर 63.71 अरब यूएस डॉलर पर पहुंच गया, जबकि फरवरी, 2025 में यह 51.33 अरब डॉलर रहा था। इससे आयात और निर्यात का अंतर व्यापार घाटा फरवरी महीने में 27.1 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-फरवरी अवधि के दौरान देश का निर्यात 1.84 फीसदी बढ़कर 402.93 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इसी अवधि में आयात भी 8.53 फीसदी बढ़कर 713.53 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पन्न लॉजिस्टिक चुनौतियों की वजह से अगले महीने मार्च में निर्यात में गिरावट देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह संकट 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल की ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद उत्पन्न हुआ है, जिससे होर्मुज समुद्री जलमार्ग सहित प्रमुख व्यापार मार्गों में व्यापक व्यवधान आया है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की प्रगति के बारे में बात करते हुए वाणिज्य सचिव ने कहा कि इस समझौते पर हस्ताक्षर नए शुल्क ढांचे को अंतिम रूप देने के बाद ही किए जाएंगे। अग्रवाल ने कहा कि हम इस समय अमेरिका के साथ होने वाले समझौते के विवरण पर बातचीत कर रहे हैं।

सरकार की जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग पर कार्रवाई के बीच एलपीजी की बुकिंग में आई गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली । एलपीजी की उपलब्धता को लेकर लोगों के बीच आशंका कम होने और सरकारों द्वारा राज्यों में जमाखोरी एवं ब्लैक मार्केटिंग के खिलाफ अभियान चलाए जाने के चलते एलपीजी सिलेंडर बुकिंग की संख्या में गिरावट देखने को मिली है। यह जानकारी जारी किए गए एक आधिकारिक बयान में दी गई। पीआईबी इंडिया ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया किया कि 14 मार्च को 77 लाख एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग हुई, यह आंकड़ा 13 मार्च को 88.8 लाख पर था। पोस्ट में आगे कहा गया, 'एलपीजी सिलेंडर बुकिंग में ऑनलाइन की हिस्सेदारी बढ़कर 87 प्रतिशत हो गई है। यह आंकड़ा पहले 84 प्रतिशत था। साथ ही, किसी भी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर गैस के समाप्त होने की

कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ' एलपीजी जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए राज्यों भर में छापेमारी की जा रही है और 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थिति पर नजर रखने के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। बयान में उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे घबराकर बुकिंग न करें, डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एलपीजी वितरकों के पास अनावश्यक रूप से जाने से बचें। इस बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार घरेलू उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति विशेष रूप से घरों और अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए सुनिश्चित कर रही है। एलपीजी की मांग को पूरा करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी वाहक जहाज, शिवालिक और नंदा देवी, जिनमें लगभग 92,712 मीट्रिक टन एलपीजी भरी हुई है, शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं और वर्तमान में भारत की ओर रवाना हैं। इनके मुंद्रा बंदरगाह और मंगलवार को कांडला बंदरगाह पहुंचने वाले हैं।

सीएमपीडीआईएल का आईपीओ 20 मार्च को खुलेगा, प्राइस बैंड 163-172 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। कोल इंडिया की अनुषंगी इकाई केंद्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान (सीएमपीडीआईएल) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 20 मार्च को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 24 मार्च तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 163-172 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयर 30 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध होंगे।

केंद्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान (सीएमपीडीआईएल) की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,842 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी की ओर से जारी मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन 12,280 करोड़ रुपये बैठता है। कंपनी के 2 रुपये फेस वैल्यू इस इश्यू के लिए न्यूनतम बिड लॉट 80 इक्विटी शेयरों का है, जिसमें 80 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बिड की जा सकती है। यह पूरी तरह से कोल इंडिया द्वारा 10.71 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा। इसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जाएंगे। कंपनी के मुताबिक ये आईपीओ 20 मार्च को खुलकर 24 मार्च को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेशक एक दिन पहले 18 मार्च को बोली लगा सकते है। कंपनी के शेयर 30 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध होंगे।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 2,103 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 667 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को 1 नवंबर, 1975 को कोल इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में निगमित किया गया था।

अडानी के हवाई अड्डों पर ड्यूटी-फ्री खरीददारी पर मिलेंगे इंडिगो ब्लूचिप

एजेंसी

अहमदाबाद। प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो और निजी हवाई अड्डा संचालक अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है, जिसके तहत इंडिगो ब्लूचिप के सदस्य अब अडानी के हवाई अड्डों पर ड्यूटी-फ्री खरीदारी कर रिवॉर्ड कमा सकेंगे। साझेदारी के तहत अडानी प्लेटफॉर्म के माध्यम से पहले से बुक किये गये ड्यूटी-फ्री उत्पादों पर हर 100 रुपये खर्च करने पर पांच इंडिगो ब्लूचिप्स अर्जित कर सकेंगे। यात्री उड़ान भरने से पहले ही ऑनलाइन उत्पादों को आरक्षित कर उसके लिए भुगतान कर सकते हैं तथा गंतव्य हवाई अड्डे पर अपना बुक कराया हुआ सामान लेकर एयरपोर्ट से बाहर निकल सकते हैं। इंडिगो के मुख्य डिजिटल एवं सूचना अधिकारी नीतन चोपड़ा ने कहा, 'इंडिगो में हम लगातार अपने लॉयल्टी प्रोग्राम को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अडानी ड्यूटी-फ्री के साथ यह साझेदारी उड़ानों से हटकर भी सार्थक रिवॉर्ड प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।' अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के गैर-विमानन कारोबार के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुचित बंसल ने कहा, 'हम अडानी प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल सर्च, प्री-ऑर्डर की सुविधा और सहज कलेक्शन को एकीकृत कर हवाई अड्डों पर यात्रियों की खरीदारी के अनुभव को बदल रहे हैं।

मिडिल ईस्ट संकट और अफगानिस्तान युद्ध से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमराई, बचत उपायों की उम्मीद नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली । ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट में पैदा हुए संकट से पाकिस्तान को बहुत नुकसान हुआ है। सऊदी अरब के साथ समझौते की वजह से युद्ध में शामिल होने या न होने को लेकर पाकिस्तान के सामने कई मुश्किलें हैं, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर इस्लामाबाद की हालत बदतर होती जा रही है। मिडिल ईस्ट का संकट ऐसे समय में आया है, जब पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर है। अफगानिस्तान से युद्ध और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के साथ लगातार लड़ाई ने इसकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। अधिकारियों का कहना है कि ये लड़ाइयां पाकिस्तान को न सिर्फ सैन्य मोर्चे पर, बल्कि आर्थिक रूप से भी बुरी तरह प्रभावित कर रही हैं। पाकिस्तान के लिए हालात इतने खराब हैं कि उसे अपनी बची-खुची अर्थव्यवस्था को भी बचाना होगा। इस्लामाबाद ने अब अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए कई कदम उठाए हैं और कई मोर्चों पर कई कटौतियों की घोषणा की है।

केंद्रीय और प्रांतीय सरकारी विभागों में सरकारी गाड़ियों को 60 फीसदी तक सड़क से दूर रखने का फैसला किया गया है। सरकारी ऑफिस में ग्रेड-20 के अधिकारी जो 3,00,000 रुपए से ज्यादा कमाते हैं, उनसे अपनी मर्जी से दो दिन की सैलरी छोड़ने को कहा गया है। हालांकि, यह स्वास्थ्य और शिक्षा सेक्टर के लोगों पर लागू नहीं होता है। सरकार ने प्रांतीय और केंद्रीय सदन के सदस्यों को दो महीने के लिए सैलरी और अलाउंस में 25 फीसदी की कटौती करने का भी निर्देश दिया है। पाकिस्तान सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है, वह है सरकारी गाड़ियों के लिए पेट्रोलियम प्रोविजन को 50 फीसदी कम करना।

कैबिनेट मंत्रियों, राज्य मंत्रियों, प्रधानमंत्री के स्पेशल असिस्टेंट और सलाहकारों को दो महीने तक अपनी पूरी सैलरी नहीं लेनी होगी। केंद्र और राज्य सरकार के विभागों के गैर-जरूरी खर्च में 20 फीसदी की कटौती की जाएगी। अधिकारियों को अब बिजनेस क्लास में यात्रा नहीं करनी होगी। विदेश यात्रा के दौरान सभी अधिकारियों को सिर्फ इकॉनमी क्लास में यात्रा करनी होगी। मंत्री, सांसद और अधिकारी सिर्फ जरूरी विदेश यात्राएं ही कर सकते हैं। सरकारी ऑफिसों के लिए नए टिकाऊ सामान की खरीद पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। आईटी खरीद के लिए जांच के बाद सीमित खरीद को छूट दी गई है। सरकारी डिपार्टमेंट में अब सभी मीटिंग वर्चुअल होंगी।

यह फैसला यात्रा और रहने की लागत दोनों को कम करने के लिए लिया गया है। नई सरकारी गाड़ियों की खरीद पर मौजूदा रोक जून 2026 तक जारी रहेगी। बैंकिंग सेक्टर और जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों को छोड़कर, सभी सरकारी ऑफिस हफ्ते में सिर्फ चार दिन ही खुलेंगे।

सरकारी सेमिनार, ट्रेनिंग सेशन और कॉन्फ्रेंस आयोजित करने से पहले उनकी पहले से जांच और मंजूरी लेनी होगी। पाकिस्तान सरकार ने प्राइवेट सेक्टर के लिए भी ऐसी ही गाइडलाइंस जारी करने की सलाह दी है। हालांकि, यह जरूरी नहीं है।

पाकिस्तान पर नजर रखने वालों का कहना है कि देश गले तक कर्ज में डूबा हुआ है। अगर मिडिल-ईस्ट में संकट लंबा खिंचता है, तो पाकिस्तान ने खर्च कम करने के लिए जो भी कदम उठाए हैं, उनसे कोई मदद नहीं मिलेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक संकट रहने से न सिर्फ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा, बल्कि यह पूरी तरह से गिर जाएगी। आम तौर पर ईद के दौरान बिजनेस में कुछ बढ़ोतरी होती है।

ईंधन संकट की आशंका के बीच श्रीलंका का बड़ा फैसला, हर बुधवार बंद रहेंगे सरकारी दफ्तर और स्कूल

एजेंसी

कोलंबो। संभावित ईंधन संकट और ऊर्जा बचत के उपायों के तहत श्रीलंका सरकार ने हर बुधवार सरकारी दफ्तर, विश्वविद्यालय और स्कूल बंद रखने का फैसला किया है। यह कदम पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति पर पड़ रहे असर को देखते हुए उठाया गया है। सरकार ने यह निर्णय ऐसे समय में लिया है जब देश में ईंधन की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ रही है। इससे एक दिन पहले ही सरकार ने सख्त ईंधन राशनिंग प्रणाली लागू की थी, जिसका उद्देश्य लोगों द्वारा घबराहट में अधिक मात्रा में ईंधन खरीदने की प्रवृत्ति को रोकना है।इसी तरह का कदम बांग्लादेश ने भी 06 मार्च को उठाया था। वहां सरकार ने ईंधन की बिक्री पर दैनिक सीमा तय कर दी है, क्योंकि बाजार में पैनिक बाइंग की खबरें सामने आ रही थीं। श्रीलंका पहले भी गंभीर ईंधन संकट का सामना कर चुका है। वर्ष 2022 में देश में कई महीनों तक ईंधन की भारी कमी रही, जिसके कारण व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के चलते तत्कालीन राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को पद छोड़ना पड़ा था। तब विश्लेषकों ने माना था कि 1948 में आजादी के बाद यह श्रीलंका का सबसे बड़ा आर्थिक संकट था।

ईरान ने पड़ोसी देशों से युद्ध पर रुख स्पष्ट करने को कहा

तेहरान। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अब्बास अराघची ने क्षेत्र के पड़ोसी देशों से मौजूदा संघर्ष पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों को यह साफ करना चाहिए कि वे इस युद्ध में किस पक्ष में खड़े हैं। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल के हमलों में ईरान के सैकड़ों नागरिकों की जान जा चुकी है। उनके अनुसार इन हमलों के पीछे कुछ पड़ोसी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अराघची ने कहा कि ऐसी रिपोर्ट भी सामने आई हैं जिनसे संकेत मिलता है कि कुछ देश इन हमलों को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन या प्रोत्साहन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में उन देशों को तुरंत अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर स्थिति साफ हो सके। इस बीच अमेरिकी मीडिया की रिपोर्टों में दावा किया गया है कि डोनाल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर मोहम्मद बिन सलमान के संपर्क में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के साथ बातचीत में क्षेत्रीय हालात और मौजूदा संघर्ष पर चर्चा हुई है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण क्षेत्रीय राजनीति और सुरक्षा स्थिति लगातार जटिल होती जा रही है। कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की ओर से भी इस संघर्ष को जल्द रोकने और कूटनीतिक समाधान तलाशने की अपील की जा रही है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच जर्मनी-ग्रीस ने होर्मुज ऑपरेशन से बनाई दूरी

बर्लिन/एथेंस/लंदन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जर्मनी और ग्रीस ने साफ कर दिया है कि वे होरमुज जलडमरूमध्य से जुड़े किसी भी सैन्य अभियान में हिस्सा नहीं लेंगे। दोनों देशों ने कहा है कि क्षेत्र में जारी संघर्ष में सीधे सैन्य भागीदारी से वे दूरी बनाए रखेंगे। जर्मन सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान से जुड़ा यह युद्ध नाटो रक्षा गठबंधन का मामला नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक क्षेत्र में संघर्ष जारी रहेगा, जर्मनी न तो इस युद्ध में शामिल होगा और न ही होर्मुज जलडमरूमध्य को सैन्य बल के जरिए खुला रखने के किसी अभियान का हिस्सा बनेगा। वहीं, ग्रीस के सरकारी प्रवक्ता पावलोस मारिनाकिस ने भी कहा कि उनका देश स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी सैन्य कार्रवाई में भाग नहीं लेगा। उन्होंने बताया कि ग्रीस स्थिति पर नजर बनाए हुए है, लेकिन फिलहाल किसी सैन्य हस्तक्षेप की योजना नहीं है। इससे पहले, यूनाइटेड किंगडम ने भी पश्चिम एशिया के संभावित व्यापक युद्ध से दूरी बनाने के संकेत दिए थे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल नहीं होगा।

पश्चिम एशिया में युद्ध से जुड़े वीडियो साझा करने पर 6 नेपाली नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध से संबंधित संवेदनशील फोटो तथा वीडियो बनाकर उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में छह नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने संबंधित देशों के कानून और सुरक्षा संवेदनशीलता की अनदेखी करते हुए टिकटॉक, फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसे वीडियो पोस्ट न करने की कड़ी चेतावनी दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोकबहादुर पौडेल क्षेत्री ने जानकारी दी कि संबंधित देशों की सरकारों ने युद्ध और सुरक्षा से जुड़े मामलों में वीडियो बनाना, फोटो खींचना और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करना पूरी तरह प्रतिबंधित कर रखा है। उन्होंने बताया कि अन्य लोगों द्वारा बनाए गए ऐसे सामग्री को शेयर करना भी उन देशों में गैरकानूनी माना जाता है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को वहां के कानून के अनुसार भारी जुर्माना, लंबी जेल की सजा और सजा पूरी करने के बाद डिपोर्ट (देश निकाला) किए जाने की भी संभावना है।

पाक-अफगान युद्ध : काबुल के अस्पताल पर पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक, 400 की मौत, तालिबान ने कहा- मानवता के खिलाफ अपराध

एजेंसी

काबुल/इस्लामाबाद। पाकिस्तानी वायुसेना (PAF) के लड़ाकू विमानों ने सोमवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के रिहायशी इलाकों और सार्वजनिक संस्थानों को निशाना बनाकर भीषण बमबारी की। इस हमले में सबसे ज्यादा तबाही एक अस्पताल में हुई है, जहाँ अब तक 400 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। हमले का केंद्रः अस्पताल और एयरपोर्ट क्षेत्र स्थानीय मीडिया और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काबुल का आसमान धमाकों और आग की लपटों से भर गया। पाकिस्तान ने जिन प्रमुख क्षेत्रों को निशाना बनाया, वे हैंः नशा मुक्ति केंद्र (हॉस्पिटल): तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद का दावा है कि पाकिस्तानी विमानों ने जानबूझकर एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया, जहाँ मरीज और कर्मचारी मौजूद थे।

रणनीतिक स्थानः काबुल इंटरनेशनल एयरपोर्ट, दारुलअमान, और खैरखाना जैसे महत्वपूर्ण इलाकों में भी कई मिसाइलें गिरीं।

हताहतः 400 मौतों के अलावा 250 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिससे मरने वालों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है।

तालिबान की तीखी प्रतिक्रियाः तालिबान सरकार ने इस हमले को 'अफगान संप्रभुता का खुला उल्लंघन' करार दिया है। प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रखकर मासूम मरीजों पर बम गिराए हैं। यह मानवता के खिलाफ एक ऐसा अपराध है जिसका करारा जवाब दिया जाएगा।

पाकिस्तान का इनकार और बचावः दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अस्पताल को निशाना बनाने के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई केवल उन ठिकानों तक सीमित थी जो उनकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान लगातार अपनी सीमा पर हो रहे आतंकी हमलों के लिए अफगान सरजमीं के इस्तेमाल का आरोप लगा रहा है। इस एयरस्ट्राइक के बाद दोनों देशों के बीच सीमा (डूरंड लाइन) पर तनाव चरम पर पहुँच गया है, जो एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का संकेत दे रहा है।

ट्रंप बोले- ईरान में 7000 से अधिक ठिकानों पर किया हमला, होर्मुज में 30 से ज्यादा माइन बिछाने वाले जहाज नष्ट

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान के तहत अब तक 7,000 से अधिक ठिकानों पर हमला किया है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि ईरानी शासन से पैदा होने वाले खतरे को खत्म करने के लिए अमेरिका पूरी ताकत के साथ कार्रवाई कर रहा है।ट्रम्प के अनुसार हाल के दिनों में किए गए हमलों का मुख्य लक्ष्य ईरान के सैन्य और रणनीतिक ढांचे को कमजोर करना रहा है। उन्होंने कहा कि इन अभियानों के बाद ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च क्षमता में करीब 90 प्रतिशत और ड्रोन हमलों में लगभग 95 प्रतिशत की कमी आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि हमलों में मिसाइल और ड्रोन बनाने वाली फैक्ट्रियों को भी निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि केवल ही ऐसे तीन महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमला किया गया। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि पिछले ढाई सप्ताह में ईरान के 100 से अधिक नौसैनिक जहाज डुबो दिए गए या नष्ट कर दिए गए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर बोलते हुए ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान की उस क्षमता को कमजोर कर रहा है जिससे वह वैश्विक समुद्री व्यापार को बाधित कर सकता है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के 30 से अधिक ऐसे जहाजों को नष्ट कर दिया गया है जिनका इस्तेमाल समुद्र में बारूदी सुरंगें (माइन) बिछाने के लिए किया जाता था।

56 ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान, इनमें से 19 तेहरान में

एजेंसी

तेहरान । यूएस-इजरायल की एयरस्ट्राइक में ईरान की 50 से ज्यादा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुमूल्य स्थलों को नुकसान पहुंचा है। यह जानकारी ईरान के हेरिटेज मंत्रालय ने दी है। सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि कुल 56 स्थलों को नुकसान हुआ है। इनमें राजधानी तेहरान की 19 अहम जगहें शामिल हैं। इनमें गोलस्तान पैलेस, तेहरान बाजार और पुरानी सीनेट बिल्डिंग भी शामिल है। इससे पहले भी नुकसान को लेकर रिपोर्ट आई थी, लेकिन ये नहीं पता था कि तेहरान में कुल कितनी इमारतें इसकी जद में आई हैं।

रिपोर्ट में प्रमुख औद्योगिक शहर इस्फहान की कुछ ऐतिहासिक जगहों को भी नुकसान पहुंचा है। इनमें नक्श-ए-जहान स्क्वायर स्थित मशहूर इमाम शाह मस्जिद के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। नक्श-ए-जहान स्क्वायर 16वीं-17वीं सदी की सफवीद वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। इसे यूनेस्को ने

विश्व धरोहर सूची में भी शामिल कर रखा है। इस्फहान शहर को 'आधा जहां' कहा जाता है क्योंकि यहां दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारतें मौजूद हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 17वीं सदी के इस ऐतिहासिक महल के लकड़ी के खंभों, दरवाजों और अन्य हिस्सों को भारी नुकसान पहुंचा है। महल के अंदर और चारों ओर बिखरा मलबा, टूटी खिड़कियां और गिरे हुए मलबे की तस्वीर एजेंसी ने जारी की है।

बता दें, ईरान के तीसरे बड़े शहर के तौर पर इस्फहान को पहचाना जाता है। इसके आसपास ईरान के कई संवेदनशील प्रतिष्ठान मौजूद हैं, जिनमें परमाणु अनुसंधान केंद्र, मिसाइल उत्पादन सुविधाएं, एक प्रमुख तेल रिफाइनरी और वायुसेना के अड्डे शामिल हैं। इस्फहान ईरान के स्टील उद्योग का भी प्रमुख केंद्र है। यहां स्थित मुबारक स्टील कंपनी को मध्य-पूर्व के सबसे बड़े स्टील उत्पादकों में गिना जाता है। इसके अलावा शहर में एक बड़ा एयरफोर्स बेस भी मौजूद है, जहां ईरान के पुराने अमेरिकी निर्मित एफ-14 टॉमकैट लड़ाकू विमानों का बेड़ा तैनात बताया जाता है।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला, धमाकों के बाद परिसर में लगी आग

एजेंसी

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास पर मंगलवार को बड़ा हमला हुआ, जिसके बाद परिसर के अंदर आग लग गई। यह हमला उस समय हुआ जब दो विस्फोटक से लैस ड्रोन दूतावास के परिसर के भीतर गिर गए और उनके विस्फोट से आग भड़क उठी। यह घटना बगदाद के बेहद सुरक्षित माने जाने वाले ग्रीन जोन इलाके में स्थित संयुक्त राज्य दूतावास में हुई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, इराक के गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि दोनों ड्रोन दूतावास की सुरक्षा सीमा के भीतर गिरते ही फट गए, जिससे परिसर के अंदर आग लग गई और धुआं बाहर से भी दिखाई देने लगा। हमले के दौरान पूरे परिसर में तुरंत सायरन बजने लगे, लेकिन दूतावास की सुरक्षा प्रणाली इन ड्रोन को रोकने में असफल रही। सूत्रों के मुताबिक, रक्षा प्रणाली आने वाले ड्रोन को इंटरसेप्ट नहीं कर सकी।

हमले में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है, हालांकि आग लगने से दूतावास की इमारतों और अन्य सुविधाओं को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, दूतावास पर सोमवार शाम से लेकर मंगलवार तड़के तक कई बार हमले किए गए। सामने आए वीडियो फुटेज में देखा गया कि एक ड्रोन दूतावास परिसर के बेहद करीब आकर फटा, जिससे यह संकेत मिलता है कि एक ही रात में कई बार सुरक्षा व्यवस्था को भेदा गया।

बगदाद का ग्रीन जोन इलाका बेहद सुरक्षित माना जाता है। यहां इराकी सरकार की इमारतें, संसद और कई विदेशी दूतावास मौजूद हैं, जिनमें अमेरिकी दूतावास भी शामिल है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में यह इलाका कई बार रॉकेट और मोर्टार हमलों का निशाना बन चुका है।

इसी बीच इराक के तेल मंत्रालय ने बताया कि सोमवार देर रात दक्षिणी इराक के मजनून तेल क्षेत्र को भी दो ड्रोन से निशाना बनाया गया। तेल मंत्रालय के प्रवक्ता साहिब बाजून के मुताबिक, एक ड्रोन टेलीकॉम टावर से टकराया, लेकिन उससे कोई नुकसान नहीं हुआ। वहीं दूसरा ड्रोन वहां काम कर रही एक अमेरिकी कंपनी के कार्यालयों को निशाना बनाकर गिराया गया।

दूसरी ओर, इराक के अर्धसैनिक संगठन लोकप्रिय लामबंदी बल ने दावा किया कि पश्चिमी प्रांत अनबार में हुए एक इजरायली हमले में उसके छह सदस्य मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। संगठन के मुताबिक यह हमला सीरिया सीमा के पास अल-कायम शहर में स्थित एक चेकपोस्ट पर किया गया था।

बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और सख्त करेगा ईरान के खिलाफ एनर्जी बैन

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान के ऊर्जा क्षेत्र पर बैन को और कड़ा करने के लिए बड़ा कानून पास किया है। तेहरान के साथ चल रहे तनाव के बीच दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने और कड़े कदम उठाने पर जोर दिया। इस नए कानून का नाम 'एन्हांस्ड ईरान सैंक्शन्स एक्ट' है, जो सीनेट में ध्वनिमत से पास हो गया। इससे ईरान के तेल व्यापार और उसके ग्लोबल नेटवर्क पर दबाव बढ़ाने के लिए दोनों पार्टियों का बड़ा समर्थन दिखा। वोट के बाद एक बयान में कांग्रेसी माइक लॉलर ने कहा, 'इस जरूरी कानून का मकसद ईरान के गैरकानूनी तेल व्यापार को बढ़ावा देने वाली विदेशी कंपनियों पर अमेरिका के बैन सिस्टम को और मजबूत करना है। ' इस बिल को 295 सदस्यों ने को-स्पॉन्सर किया था– 171 रिपब्लिकन और 124 डेमोक्रेट। यह कदम राष्ट्रपति को उन विदेशी कंपनियों पर बैन लगाने का अधिकार देगा जो 'ईरान से तेल, कंडेनसेट या दूसरे पेट्रोलियम या

पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट की प्रोसेसिंग, रिफाइनिंग, एक्सपोर्ट, ट्रांसफर या बिक्री से जुड़े या उससे जुड़े किसी भी बड़े ट्रांजैक्शन' में शामिल हैं। लॉलर ने इस बिल को ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और वित्तीय नेटवर्क पर रोक लगाने की एक बड़ी कोशिश के हिस्से के तौर पर बनाया। उन्होंने कहा, 'अमेरिका ईरानी सरकार को बैन से बचने और गैर-कानूनी तेल बेचकर आतंकवाद को पैसे देने की इजाजत नहीं देगा। ' उन्होंने कहा, 'बहुत लंबे समय से, ईरान बैन किए गए तेल को लाने-ले जाने के लिए विदेशी बैंकों, बीमा कंपनियों और लॉजिस्टिक्स प्रोवाइडर्स के नेटवर्क पर निर्भर रहा है। यह कानून उस पूरे नेटवर्क को टारगेट करता है और यह पक्का करता है कि आतंकवाद के सबसे बड़े सरकारी स्पॉन्सर को फाइनेंस करने वालों को असली नतीजे भुगतने पड़ें। ' लॉलर ने कहा कि यह बिल सरकार को ईरान पर 'ज्यादा से ज्यादा दबाव' डालने की इजाजत देगा। उन्होंने आगे कहा कि यह 'ईरान के गैर-कानूनी तेल व्यापार को बढ़ावा देने वालों, जिन्होंने उनके प्रॉक्सी को फंडिंग किया है, जिन्होंने उनके मिसाइल प्रोग्राम की फंडिंग की है, जिन्होंने उनके न्यूक्लियर लक्ष्यों और उनके यूरेनियम संवर्धन को फंडिंग की है' पर बैन लगाने में मदद करेगा। यह कानून खास तौर पर तेल सप्लाई चेन में शामिल कई तरह के लोगों को टारगेट करता है। लॉलर ने कहा, 'इसमें असल में कोई भी कंपनी शामिल है जिसने ईरानी तेल की प्रोसेसिंग, रिफाइनिंग, एक्सपोर्ट या ट्रांसफर से जुड़े किसी ट्रांजैक्शन में हिस्सा लिया हो। इसमें विदेशी बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियां, फ्लैगिंग रजिस्ट्री और भी बहुत कुछ शामिल हैं। ' बिल के तहत पाबंदियों में अमेरिका में प्रॉपर्टी के लेन-देन को रोकना और ऐसी गतिविधियों से जुड़े लोगों को वीजा देने से मना करना शामिल हो सकता है। हालांकि, कानून के अंतिम रूप में एक जरूरी बदलाव शामिल है।

ईरान की एविन जेल पर इजराइली हमला युद्ध अपराधः संयुक्त राष्ट्र जांच प्रमुख

एजेंसी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र की एक स्वतंत्र जांच टीम ने कहा है कि 2025 में ईरान की कुख्यात एविन जेल पर किया गया इजराइल का हवाई हमला युद्ध अपराध की श्रेणी में आ सकता है। जांच प्रमुख ने साथ ही चेतावनी दी कि हालिया अमेरिका-इजराइल हमलों के बाद ईरान में आंतरिक दमन और बढ़ सकता है।सारा हुसैन ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि इजराइल ने 2025 में एविन जेल पर हमला कर एक नागरिक संरचना को निशाना बनाया, जो युद्ध अपराध माना जा सकता है।

अधिकारियों के अनुसार जून 2025 में तेहरान स्थित एविन जेल पर हुए इस हवाई हमले में 70 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। जांच रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की संख्या करीब 80 थी, जिनमें एक बच्चा और आठ महिलाएं भी शामिल थीं। यह निष्कर्ष पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों के साक्षात्कार, सैटेलाइट तस्वीरों और अन्य दस्तावेजों के आधार पर निकाला गया है। एविन जेल को लंबे समय से राजनीतिक बंदियों को रखने के लिए जाना जाता है। हालिया अमेरिका-इजराइल हमलों के दौरान भी इस जेल को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं, जिससे वहां बंद कैदियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बताया गया है कि जेल में एक ब्रिटिश दंपती समेत कई विदेशी नागरिक भी बंद हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य मानवाधिकार विशेषज्ञ माई सातो ने भी कैदियों की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जनवरी में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किए गए कई लोगों के परिवार अपने रिश्तेदारों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं और जेलों में भोजन व दवाओं की कमी की खबरें मिल रही हैं। उधर संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अली बहरीन ने अमेरिका-इजराइल हमलों की निंदा करने की मांग की।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स को प्रारंभिक ब्रेस्ट कैंसर

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स को प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है, लेकिन वह इलाज के दौरान भी व्हाइट हाउस से काम जारी रखेंगी। ट्रंप ने इस जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा किया और वाइल्स की तारीफ करते हुए उन्हें एक भरोसेमंद सलाहकार बताया और उनकी तेजी से ठीक होने की उम्मीद जताई। ट्रंप ने कहा, 'सुसी वाइल्स एक अद्भुत चीफ ऑफ स्टाफ हैं, एक बेहतरीन इंसान हैं, और सबसे मजबूत लोगों में से एक हैं जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। उन्होंने इस चुनौती को तुरंत स्वीकार करने का निर्णय लिया है, और तुरंत इलाज शुरू कर दिया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वाइल्स पहले ही इलाज की तैयारी शुरू कर चुकी हैं और उनके पास एक मजबूत मेडिकल

टीम का समर्थन है। ट्रंप ने कहा, 'उनकी मेडिकल टीम शानदार है इलाज के दौरान वह लगभग पूरा समय व्हाइट हाउस में बिताएंगी।'' ट्रम्प ने वाइल्स को प्रशासन में अपने सबसे भरोसेमंद सलाहकारों में से एक भी बताया। ट्रंप ने कहा, 'उनकी शक्ति और उनकी प्रतिबद्धता, जो वे अपने काम को प्यार से और बेहतरीन तरीके से करती हैं, जबकि इलाज के दौरान भी काम कर रही हैं, आपको उनके बारे में सब कुछ बता देती हैं।'' ट्रंप ने कहा कि वाइल्स प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनकी टीम के लिए केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।उन्होंने कहा, 'सुसी, मेरी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सलाहकारों में से एक के रूप में, मजबूत हैं और अमेरिकी जनता की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। 'ट्रंप ने कहा कि वे और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप वाइल्स के इलाज के दौरान उनके साथ हैं।उन्होंने कहा, 'मेलानिया और मैं हर तरह से उनके साथ हैं, और हम सुसी के साथ काम करने की उम्मीद करते हैं ताकि हमारे देश के लाभ के लिए कई बड़े और शानदार काम किए जा सकें। 'व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने भी इस घोषणा के तुरंत बाद वाइल्स के समर्थन में एकजुटता दिखाई। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लीविट ने वाइल्स की नेतृत्व क्षमता और व्यक्तिगत गुणों की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'सुसी वाइल्स यह दिखाती हैं कि एक मजबूत नेता क्या होती हैं। वे सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है। '

पाकिस्तान सरकार इमरान खान से उनके बेटों सुलेमान और कासिम की मुलाकात रोक रही : जेमिमा गोल्डस्मिथ

एजेंसी

लंदन। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दखल देने की अपील की है। दरअसल, जेमिमा के दो बेटे, सुलेमान खान और कासिम खान, दो महीने से ज्यादा समय पहले आवेदन करने के बावजूद अपने पिता इमरान खान से मिलने के लिए वीजा नहीं ले पा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक डिटेल्ड पोस्ट में, जेमिमा गोल्डस्मिथ ने कहा कि उनके बेटों ने जनवरी में अपने वीजा एप्लीकेशन जमा किए थे, फिर भी पाकिस्तान कॉन्सुलेट ने उन्हें प्रोसेस नहीं किया, जबकि ऑनलाइन वीजा के लिए आधिकारिक टाइमलाइन 7 से 10 वर्किंग डेज बताई गई है। जेमिमा गोल्डस्मिथ ने कहा कि यह देरी खास तौर पर परेशान करने वाली थी क्योंकि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और प्रधानमंत्री के प्रवक्ता, मुशर्रफ जैदी, दोनों ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया को सार्वजनिक तौर पर भरोसा दिलाया था कि इमरान खान के बेटे चार साल बाद सुरक्षित रूप से पाकिस्तान जा पाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि लड़कों को अपने पिता से फोन पर बात करने या उन्हें चिट्ठी भेजने की इजाजत नहीं दी गई है और 2022 के बाद से, जब वह एक हत्या की कोशिश में बच गए थे, तब से उन्होंने उन्हें नहीं देखा है।

अपनी अपील में, गोल्डस्मिथ ने कहा कि इमरान खान की बिगड़ती सेहत की खबरों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से 'जितनी जल्दी हो सके' पीटीआई चीफ से मिलने की इजाजत देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लंबी चुप्पी ने परिवार को अनिश्चितता की स्थिति में डाल दिया है, जबकि बार-बार भरोसा दिलाया गया था कि इमरान खान के बेटों पर कोई रोक नहीं लगाई जाएगी। इस मुद्दे ने इमरान खान के समर्थकों और मानवाधिकार समूहों के बीच उनकी हिरासत की शर्तों और उनके परिवार और लीगल टीम के साथ बातचीत पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर बढ़ती चिंताओं को और बढ़ा दिया है। इमरान खान 2023 से जेल में हैं; उन्हें कई मामलों में दोषी ठहराया गया है, जिसमें भ्रष्टाचार और क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स को संभालने से जुड़े आरोप शामिल हैं।

ईरान की सैन्य प्रतिरोध क्षमता काफी हद तक निष्प्रभावीः इज़राइली राजदूत

एजेंसी

नई दिल्ली। इज़राइल ने आज कहा कि अमेरिकी एवं इज़राइली सेनाओं ने खाड़ी के अन्य देशों के साथ समन्वय से ईरान की सैन्य प्रतिरोध की क्षमताओं को काफी हद तक निष्प्रभावी कर दिया है और जल्द ही हम अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे। भारत में इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने मीडिया के साथ बातचीत में ईरान के खिलाफ इज़राइल के हालिया सैन्य विकल्पों के समय के बारे में बात की और माना कि ईरान को लेकर क्षेत्रीय अस्थिरता पहले ही बन गई थी लेकिन हमला करने का ऑपरेशनल अवसर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इज़राइल का दौरा पूरा करने के बाद आया।अज़ार ने कहा, यह स्पष्ट था कि प्रधानमंत्री मोदी के आने से पहले भी हमारे क्षेत्र में स्थिति बहुत अस्थिर थी। जब हमला करने का फैसला किया गया, तो ऑपरेशनल अवसर प्रधानमंत्री मोदी के जाने के बाद ही आया। ऑपरेशन को मंजूरी देने का कैबिनेट का फैसला उसके ठीक दो दिन बाद हुआ। रूवेन अजार ने कहा, हमें विश्वास है कि हमने ईरानी शासन की सैन्य मशीनरी को काफी हद तक निष्प्रभावी कर दिखाया है। अमेरिका और इज़राइल एक संयुक्त प्रयास के माध्यम से ईरान के नौसैनिक बलों, वायु सेना और उनके रक्षा उत्पादन क्षमता को लगभग शून्य के स्तर पर ले आये हैं। हमने जवाबी कार्रवाई करने और मिसाइलों को लॉन्च करने की उनकी क्षमता को भी कम कर दिया है।

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने भारत से पश्चिम एशिया में सीजफायर कराने की अपील की

एजेंसी

नई दिल्ली/हेलसिंकी । इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी हमलों की वजह से पश्चिम एशिया में इस समय भारी तनाव और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। ऐसे हालात में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने सुझाव दिया है कि भारत अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने में एक महत्वपूर्ण डिप्लोमैटिक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष के बढ़ते रहने के बीच तुरंत सीजफायर की अपील की। ब्लूमबर्ग के साथ एक इंटरव्यू में, स्टब ने कहा कि ग्लोबल कोशिशों को दुश्मनी रोकने और बातचीत के रास्ते खोलने पर फोकस करना चाहिए, साथ ही यह भी कहा कि भारत तनाव कम करने के मकसद से की जा रही डिप्लोमैटिक कोशिशों में शायद मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें सीजफायर की जरूरत है। मैं सोच रहा हूं कि क्या भारत सच में इसमें शामिल हो सकता है। हमने देखा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने चीजों को शांत करने के लिए सीजफायर की अपील की

थी। ' फिनलैंड के राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब नई दिल्ली इस इलाके में बढ़ते टकराव के बीच तेहरान के साथ एक्टिव रूप से बातचीत कर रही है। बता दें, हाल ही में भारत के विदेश मंत्री ने तेजी से बदल रहे हालात पर चर्चा करने के लिए अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के साथ टेलीफोन पर एक और राउंड की बातचीत की।

बातचीत के दौरान, अराघची ने भारत को ताजा घटनाओं के बारे में बताया और कहा कि यह लड़ाई अमेरिका और इजरायल के हमलों का नतीजा है। उन्होंने ईरान के सेल्फ-डिफेंस के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने के इरादे के बारे में भी बताया और चेतावनी दी कि इस स्थिति के बड़े क्षेत्रीय और वैश्विक नतीजे हो सकते हैं।

भारत हालात पर खासकर क्षेत्रीय स्थिरता, एनर्जी सप्लाई और इस इलाके में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के कारण, करीब से नजर रख रहा है। भारत की डिप्लोमैटिक कोशिशों के तहत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ती दुश्मनी के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से भी बात की। के बाद पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने बढ़ते झगड़े और आम लोगों के मरने की बढ़ती संख्या पर भारत की तरफ से गहरी चिंता जताई। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस इलाके में भारतीय नागरिकों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करना, साथ ही सामान और एनर्जी सप्लाई का बिना रुकावट आना-जाना बनाए रखना, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

page 1 and 8 mar 18_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/17/2026 11:51 PM Page 2

घिया (लौकी) एक कद्दूवर्गीय महत्वपूर्ण सब्जी

By: Bhupender, Dainik Jagriti

सब्जियों में घिया (लौकी) एक कद्दूवर्गीय महत्वपूर्ण सब्जी है। घिया (लौकी) की खेती से प्राप्त फल को विभिन्न प्रकार के व्यंजन जैसे- रायता, कोफ्ता, हलवा, खीर इत्यादि बनाने के लिए प्रयोग करते हैं। यह कब्ज को कम करने, पेट को साफ करने, खाँसी या बलगम दूर करने में अत्यन्त लाभकारी है । इसके मुलायम फलों में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खाद्य रेशा, खनिज लवण के अलावा प्रचुर मात्रा में अनेकों विटामिन पाये जाते हैं। लौकी की खेती पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर दक्षिण भारत के राज्यों तक विस्तृत रूप में की जाती है।

निर्यात की दृष्टि से सब्जियों में घिया (लौकी) अत्यन्त महत्वपूर्ण है। किसानों को चाहिए की वो इसकी परम्परागत तरीके से खेती न करके वैज्ञानिक तकनीकी से खेती करें। जिससे उनको अधिकतम पैदावार प्राप्त हो सके। इस लेख में घिया (लौकी) की वैज्ञानिक तकनीक से खेती कैसे करें का उल्लेख किया गया है।

घिया (लौकी) की अच्छी उपज के लिए गर्म और मध्यम आर्द्रता वाले

भौगोलिक क्षेत्र सर्वोत्तम होते हैं। इसलिए इसकी फसल जायद तथा खरीफ दोनों ऋतुओं में सफलतापूर्वक उगायी जा सकती है। बीज अंकुरण के लिए 30 से 35 डिग्री सेन्टीग्रेड तथा पौधों की बढ़वार के लिए 32 से 38 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान उत्तम होता है।

बलुई दोमट और जीवांश युक्त चिकनी मिट्टी जिसमें जल धारण क्षमता अधिक तथा पी एच मान 6.0 से 7.0 हो घिया (लौकी) की खेती के लिए उपयुक्त होती है। पथरीली या ऐसी भूमि जहाँ पानी खड़ा होता हो तथा जल निकास का अच्छा प्रबन्ध न हो इसकी खेती के लिए अच्छी नहीं होती है।

उन्नत किस्में

कृषकों को किस्मों के चयन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। घिया (लौकी) की दो प्रकार की एक लम्बी बेलनाकार और दूसरी गोल गोलाकार प्रकार की किस्में होती है। कुछ उन्नत और संकर किस्मों का वर्णन इस प्रकार है, जैसे-

काशी गंगा- इस किस्म के पौधे मध्यम बढ़वार वाले और तनों पर गाँठे कम दूरी पर विकसित होती हैं। फल मध्यम लम्बा 30.0 सेंटीमीटर व फल का व्यास कम 6.90 सेंटीमीटर होता है। प्रत्येक फल का औसत भार 800 से 900 ग्राम होता है। गर्मी के मौसम में 50 दिनों बाद तथा बरसात में 55 दिनों बाद फलों की प्रथम तुड़ाई की जा सकती है। इस घिया (लौकी) प्रजाति की औसत उत्पादन क्षमता 44 टन प्रति हेक्टेयर है।

काशी बहार- इस संकर किस्म में फल पौधे के प्रारम्भिक गाँठों से बनने प्रारम्भ होते हैं। फल हल्के हरे, सीधे, 30 से 32 सेंटीमीटर लम्बे 780 से 850 ग्राम वजन वाले और 7.89 सेंटीमीटर व्यास वाले होते हैं। इसकी औसत पैदावार 52 टन प्रति हेक्टेयर है। गर्मी तथा बरसात दोनों ऋतुओं के लिए उपयुक्त किस्म है। यह किस्म नदियों के किनारे उगाने के लिए भी उपयुक्त है।

पूसा नवीन- इस किस्म के फल बेलनाकार, सीधे तथा लगभग 550 ग्राम के होते हैं। घिया (लौकी) इस किस्म की उत्पादन क्षमता 35 से 40 टन प्रति हेक्टेयर है।

अर्को बहार- इस घिया (लौकी) किस्म के फल सीधे, मध्यम आकार के लगभग 1 किलोग्राम वजन के होते हैं। फल हल्के हरे रंग के होते हैं, इसकी उत्पादन क्षमता 40 से 50 टन प्रति हेक्टेयर है।

नरेन्द्र रश्मि- फल हल्के हरे तथा छोटे-छोटे होते हैं। फलों का औसतन वजन 1 किलोग्राम होता है। इस किस्म की औसत पैदावार 30 टन प्रति हेक्टेयर है। पौधों पर चूर्णिल व मृदुरोमिल आसिता का प्रकोप कम होता है।

पूसा सन्देश- पौधे मध्यम लम्बाई के और गाँठों पर शाखाएं कम दूरी पर विकसित होती हैं। फल गोलाकार, मध्यम आकार के वे लगभग 600 ग्राम वजन के होते हैं। बरसात वाली फसल 55 से 60 दिनों व गर्मी वाली फसल 60 से 65 दिनों बाद फल की प्रथम तुड़ाई की जा सकती है। औसत पैदावार 32 टन प्रति हेक्टेयर है।

पूसा समर प्रोलिफिक राउंड- इसके फल गोलाकार हरे रंग के होते है। इसकी पैदावार 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

पूसा कोमल- इसके फल लम्बे होते है। यह घिया (लौकी) की अगेती किस्म है, 70 दिन में फल तोड़ने लायक हो जाते है। इसकी पैदावार 450 से 500 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

पूसा हाइब्रिड 3- यह घिया (लौकी) की अगेती संकर किस्म है। इसके फल लम्बे गोल होते है। यह पैदावार के लिए अच्छी किस्म है।

उत्तरा- घिया (लौकी) की इस किस्म के फल 55 से 60 दिन में तोड़ने योग्य हो जाते है। फल लम्बे और एक समान होते है।

इनके अतिरिक्त भी घिया (लौकी) की अन्य किस्में है, जैसे- स्वाती, लड्डू न- 17, पूसा संतुष्टि, प्रोलिफिक लोंग, पंजाब राउंड, पंजाब कोमल, पूसा मंजरी, पूसा मेघदूत कल्यानपुर हरी लम्बी, आजाद हरित और आजाद नूतन प्रमुख है।

खाद और उर्वरक

घिया (लौकी) की फसल के लिए जुताई के समय 200 से 250 क्विंटल गोबर की गली सड़ी खाद डालनी चाहिए। साथ में अच्छी पैदावार के लिए पोषण के रूप में 50 से 70 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर की दर से देनी चाहिए।

नत्रजन की आधी मात्रा, फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय देना चाहिए। बची हुई नत्रजन की आधी मात्रा दो समान भागों में बाँटकर 4 से 5 पत्ती की अवस्था तथा शेष आधी मात्रा पौधों में फूल बनने के पहले टाप ड्रेसिंग के रूप में देनी चाहिए।

बीज की मात्रा

घिया (लौकी) की सीधी बीज बुआई के लिए 2.5 से 3 किलोग्राम बीज एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए पर्याप्त होता है, परन्तु पालीथीन के थैलों या नियंत्रित वातावरण युक्त गृहों में (प्रो ट्रे) नर्सरी उत्पादन करने के लिए 1 किलोग्राम बीज ही पर्याप्त होता है।

घिया (लौकी) की बुआई ग्रीष्म ऋतु (जायद) में 15 से 25 फरवरी तक और वर्षा ऋतु (खरीफ) में 15 जून से 15 जुलाई तक कर सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में बुआई मार्च से अप्रैल के महीने में की जाती है।

घिया (लौकी) की खरीफ ऋतु में खेत की सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं होती है। परन्तु वर्षा न होने पर 10 से 15 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। अधिक वर्षा की स्थिति में जल के निकास के लिए नालियों का गहरा व चौड़ा होना आवश्यक है। गर्मियों में अधिक तापमान होने के कारण 4 से 5 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

घिया (लौकी) की दोनों ऋतु की फसल में सिंचाई के बाद खेत में काफी मात्रा में खरपतवार उग आते हैं। इसलिए उनको किसी कृषि यंत्र की सहायता से 25 से 30 दिनों तक निकाई करके खरपतवार निकालते रहना चाहिए। लौकी में पौधों की अच्छी वृद्धि और विकास के लिए 2 से 3 बार निकाई-गुड़ाई करके जड़ों के पास हल्की मिट्टी चढ़ा देना चाहिए। रासायनिक खरपतवारनाशी के रूप में ब्यूटाक्लोर रसायन की 2 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बीज बुआई के तुरन्त बाद छिड़काव करना चाहिए।

वर्षा ऋतु में घिया (लौकी) की अधिक उपज प्राप्त करने के लिए लकड़ी या लोहे के द्वारा निर्मित मचान पर चढ़ा कर खेती करनी चाहिए। इससे फलों का आकार सीधा एवं रंग अच्छा रहता है और बढ़वार भी तेजी से होती है। प्रारम्भिक अवस्था में निकलने वाली कुछ शाखाओं को काटकर निकाल देना चाहिए, इससे ऊपर विकसित होने वाली शाखाओं में फल ज्यादा बनते हैं। आमतौर पर मचान की ऊँचाई 5.0 से 5.5 फीट तक रखते हैं। इस पद्धति के उपयोग से सस्य क्रिया सम्बन्धित लागत कम हो जाती है।

कीट एवं रोकथाम

कद्दू का लाल कीट (रेड पम्पकिन बिटिल)- इस कीट का वयस्क चमकीली नारंगी रंग का होता हैं और सिर, वक्ष एवं उदर का निचला भाग काला होता है। सूण्ड़ी जमीन के अन्दर पायी जाती है। इसकी सूण्डी व वयस्क दोनों क्षति पहुँचाते हैं। प्रौढ़ पौधों की छोटी पत्तियों पर ज्यादा क्षति पहुँचाते हैं। ग्रब इल्ली मिटटी में रहती है, जो पौधों की जड़ पर आक्रमण कर हानि पहुँचाती है।

ये कीट जनवरी से मार्च के महीनों में सबसे अधिक सक्रिय होते है। अक्टूबर तक खेत में इनका प्रकोप ज्यादा रहता है। नये और छोटे पौधे आक्रमण के कारण मर जाते हैं। फसलों के बीजपत्र एवं 4 से 5 पत्ती अवस्था इन कीटों के आक्रमण के लिए सबसे अनुकूल है। प्रौढ़ कीट विशेषकर मुलायम पत्तियाँ अधिक पसन्द करते है। अधिक आक्रमण होने से पौधे पत्ती रहित हो जाते है। रोकथाम- सुबह ओस पड़ने के समय राख का बुरकाव करने से भी प्रौढ़ पौधा पर नहीं बैठता जिससे नुकसान

कम होता है। जैविक विधि से नियंत्रण के लिए अजादीरैक्टिन 300 पी पी एम 5 से 10 मिलीलीटर प्रति लीटर या अजादीरैक्टिन 5 प्रतिशत 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से दो या तीन छिड़काव करने से लाभ होता है। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर कीटनाशी जैसे डाईक्लोरोवास 76 ई सी 1.25 मिलीलीटर प्रति लीटर या ट्राइक्लोफेरान 50 ई सी 1 मिलीलीटर प्रति लीटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से 10 दिनों के अन्तराल पर पर्णीय छिड़काव करें।

फल मक्खी- इस कीट की सूण्डी अधिक हानिकारक होती है। प्रौढ़ मक्खी गहरे भूरे रंग की होती है, इसके सिर पर काले और सफेद धब्बे पाये जाते हैं। प्रौढ़ मादा छोटे, मुलायम फलों के छिलके के अन्दर अण्डा देना पसन्द करती है, और अण्डे से सूड़ी (ग्रब्स) निकलकर फलों के अन्दर का भाग खाकर नष्ट कर देते हैं। कीट फल के जिस भाग पर अण्डा देती है, वह भाग वहाँ से टेढ़ा होकर सड़ जाता है तथा नीचे गिर जाता है।

रोकथाम- गर्मी की गहरी जुताई या पौधे के आस पास खुदाई करें, ताकि मिट्टी की निचली परत खुल जाए जिससे फल मक्खी का प्यूपा धूप द्वारा नष्ट हो जाये या शिकारी पक्षियों के खाने से नष्ट हो, जो भी ग्रसित फल हो इकट्ठा करके नष्ट कर देना चाहिए। नर फल मक्खी को नष्ट करने के लिए प्लास्टिक की बोतलों में इथेनाल, कीटनाशक (डाईक्लोरोवास या कार्बारिल या मैलाथियान), क्यूल्यूर को 6:1:2 के अनुपात के घोल में लकड़ी के टूकड़े को डुबोकर, 25 से 30 फंदा खेत में विभिन्न स्थानों पर स्थापित कर देना चाहिए। कार्बारिल 50 डब्ल्यू पी 2 ग्राम प्रति लीटर या मैलाथियान 50 ई सी 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी को लेकर 10 प्रतिशत शीरा या गुड़ में मिलाकर जहरीले चारे को 250 जगहों पर प्रति हेक्टेयर खेत में उपयोग करना चाहिए। प्रतिकर्षी 4 प्रतिशत नीम की खली का प्रयोग करें, जिससे जहरीले चारे की ट्रैपिंग की क्षमता बढ़ जाये। आवश्यकतानुसार कीटनाशी जैसे क्लोरेंट्रानीलीप्रोल 18.5 एस सी 0.25 मिलीलीटर प्रति लीटर या डाईक्लारोवास 76 ई सी 1.25 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से भी छिड़काव कर सकते हैं।

कद्दू का लाल कीट (रेड पम्पकिन बिटिल)- इस कीट का वयस्क चमकीली नारंगी रंग का होता हैं और सिर, वक्ष एवं उदर का निचला भाग काला होता है। सूण्ड़ी जमीन के अन्दर पायी जाती है। इसकी सूण्डी व वयस्क दोनों क्षति पहुँचाते हैं। प्रौढ़ पौधों की छोटी पत्तियों पर ज्यादा क्षति पहुँचाते हैं। ग्रब इल्ली मिटटी में रहती है, जो पौधों की जड़ पर आक्रमण कर हानि पहुँचाती है।

ये कीट जनवरी से मार्च के महीनों में सबसे अधिक सक्रिय होते है। अक्टूबर तक खेत में इनका प्रकोप ज्यादा रहता है। नये और छोटे पौधे आक्रमण के कारण मर जाते हैं। फसलों के बीजपत्र एवं 4 से 5 पत्ती अवस्था इन कीटों के आक्रमण के लिए सबसे अनुकूल है। प्रौढ़ कीट विशेषकर मुलायम पत्तियाँ अधिक पसन्द करते है। अधिक आक्रमण होने से पौधे पत्ती रहित हो जाते है। रोकथाम- सुबह ओस पड़ने के समय राख का बुरकाव करने से भी प्रौढ़ पौधा पर नहीं बैठता जिससे नुकसान कम होता है। जैविक विधि से नियंत्रण के लिए अजादीरैक्टिन 300 पी पी एम 5 से 10 मिलीलीटर प्रति लीटर या अजादीरैक्टिन 5 प्रतिशत 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से दो या तीन छिड़काव करने से लाभ होता है। इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर कीटनाशी जैसे डाईक्लोरोवास 76 ई सी 1.25 मिलीलीटर प्रति लीटर या ट्राइक्लोफेरान 50 ई सी 1 मिलीलीटर प्रति लीटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर की दर से 10 दिनों के अन्तराल पर पर्णीय छिड़काव करें।

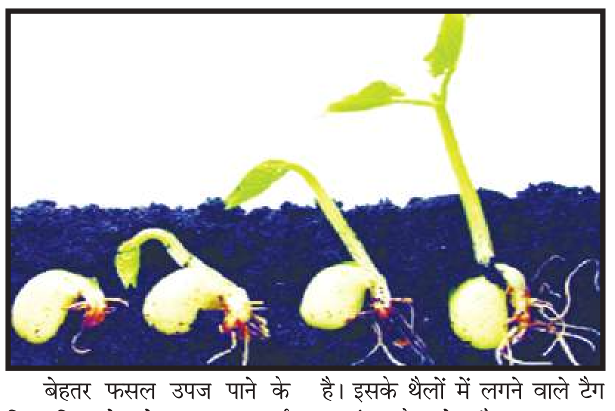

उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज का प्रयोग

बेहतर फसल उपज पाने के लिए किसानो को कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने की जरूरत होती हैं जैसे उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज का प्रयोग। क्या आप जानते है की उच्च गुणवत्ता व प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने से लगभग 20त्न उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। अत: किसानो को बीज का चुनाव करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक हो जाता हैं।

आइए जानते हैं कि जिस बीज की आप बुवाई करते हैं, उसकी पूरी प्रक्रिया क्या है?

1. प्रजनक बीज- यह बीज नाभिकीय बीज (न्यूक्लियस) से उत्पादित किया जाता है। प्रजनक की देख-रेख की में इस पर पीला टैग लगाया जाता है।

2. आधारीय बीज - इस बीज का उत्पादन प्रजनक बीज से किया जाता है। आवश्यकतानुसार आधारीय प्रथम से आधारीय द्वितीय बीज का उत्पादन किया है। इसकी उत्पादन, संसाधन, पैकिंग, रसायन उपचार एवं लेबलिंग आदि प्रक्रिया बीज प्रमाणीकरण संस्था की देखरेख में मानकों के अनुरूप होती है। इसके थैलों में लगने वाले टैग का रंग सफेद होता है।

3. प्रमाणित बीज - कृषकों को फसल उत्पादन हेतु बेचे जाने वाला बीज प्रमाणित बीज है। प्रमाणित बीज के टैग का रंग नीला होता है।

4. सत्यापित बीज (टी0एल0) - इसका उत्पादन, उत्पादन संस्था द्वारा प्रमाणित बीज से मानकों के अनुरूप किया जाता है।

कृषकों को बेहतर फसल उत्पादन के लिए बीज का चुनाव करते समय इन बातों का ख़्याल रखना चाहिए-

अच्छी गुणवत्ता वाले बीज मजबूत और स्वस्थ फसलों की वृद्धि के लिए आवश्यक हैं, जो बीमारियों या सूखे की स्थिति में भी अपने आप को जीवित रख सकते हैं।

छोटे, सिकुड़े और टूटे बीजों में अंकुरण के लिए कम पोषण होता है। इस तरह के बीजों को हटाकर किसान स्वस्थ पौध और फसल प्राप्त कर सकते हैं।

किसान खुद से भी बीज भी पैदा कर सकते हैं लेकिन उन्हें ये ध्यान रखना चाहिए की कई बीमारियां हैं, जो बीज के माध्यम से फैलती हैं। यदि संक्रमित बीजों का उपयोग अगली फसल के लिए किया जाता है, तो बीज जनित रोग खेत में स्थानांतरित हो जाते हैं। इसलिए बीज, स्वस्थ पौधों से प्राप्त करना चाहिए।

स्वयं द्वारा बीज उत्पादन किसान कैसे करें -बीज़ उत्पादन के लिए लगाए गए फसल में विभिन्न पौधों के लक्षणो का निरीक्षण करके किसान यह जान सकता हैं कि कौन सा पौधा बेहतर विकास कर रहा हैं। एक रिबन या छड़ी से पसंदीदा पौधों को चिह्नित कर लें। कटाई के दौरान, किसान इन चिन्हित पौधों के बीज को अगली फसल के लिए आरक्षित कर सकते हैं।

फसल में कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए भी अच्छे बीज का चयन बहुत महत्वपूर्ण है। बीजों की गुणवत्ता को वॉछित स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए बीज प्रमाणीकरण का प्राविधान है।

1) बीज का सत्यापन - आधारीय एवं प्रमाणित बीजों के उत्पादन हेतु क्रमश: प्रजनक एवं आधारीय बीजों का प्रयोग आवश्यक है। उसी श्रेणी के बीज से उसी श्रेणी के बीज उत्पादन की अनुमति विशेष परिस्थितियों में दी जाती है। बीज प्रमाणीकरण संस्था निरीक्षण के समय बिल, भण्डार रसीद तथा टैग से बीज स्रोत का सत्यापन करती है।

2) फसल निरीक्षण - पुष्पावस्था एवं फसल पकने के समय दो निरीक्षण आवश्यक हैं। निरीक्षण के समय बीज फसल में अवॉछित पौधे नहीं होने चाहिएऔर फसल खरपतवार रहित होनी चाहिए। निरीक्षण के समय खेत में जगह-जगह पर काउन्ट लिये जाते हैं।

3) प्रयोगशाला परीक्षण - विधायन के उपरान्त प्रत्येक लाट से न्यायदर्श लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेज दिया जाता है। जनक बीजों का परीक्षण विश्वविद्यालय की तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों का परीक्षण बीज प्रमाणीकरण संस्था की प्रयोगशाला में किया जाता है।

4) टैगिंग - जनक बीज पर सुनहरी पीले रंग का टैग सम्बन्धित प्रजनक तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों पर क्रमश: सफेद व नीले रंग के टैग बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा उपलब्ध कराये जाते है।

उस बीज को उत्तम कोटि का माना जाता है जिसमें आनुवांशिक शुद्धता शत-प्रतिशत हो,अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो, रोग व कीट के प्रभाव से मुक्त हो, अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो, खेत में जमाव और अन्तत: उपज अच्छी हो।

कृषि विभाग द्वारा खरीफ, रबी एवं जायद फसलों के विभिन्न प्रजाति के प्रमाणित बीजों का वितरण सभी जनपदों के विकास खण्ड स्थिति बीज भण्डार के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।

अपने विकास खण्ड से बीज प्राप्त कर, प्रमाणित बीजों से बुवाई करें, जिससे उनकी फसलों के उत्पादन में वृद्धि हो। शोधित बीज बच जाने पर पुन: प्रयोग करें। बीज प्रयोगशाला से पुन: जमाव परीक्षण कराकर मानक के अनुरूप होने पर पुन: बोया जा सकता है।

किसान भाईयों को चाहिए कि वे अपनी फसलों के बीज जैसे धान, गेहूं समस्त दलहनी फसलें एवं राई सरसों और सूरजमुखी को छोड़कर समस्त दलहनी फसलों के बीज प्रत्येक तीन वर्ष में बदल कर बुवाई करें। इसी प्रकार ज्वार, बाजरा, मक्का, सूरजमुखी, अरण्डी एवं राई/सरसों की फसलों में प्रत्येक तीन वर्षा पर बीज बदल कर बुवाई की जानी चाहिए।

इफको किसान का यह प्रयास किसानों के लिए सफलतापूर्ण रहे, हम सदैव तत्पर हैं किसानों की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए। हमारे विशेषज्ञों की टीम इसी कोशिश में रहती है की किसानों के लिए हम आसान से आसान समाधान ढूँढे और उन्हे प्रेरित करते रहें और सशक्त बनने के लिए उनके हर कदम पर साथ देते रहे। इफको किसान, अच्छी कृषि प्रथाओं, पशुपालन, स्वास्थ्य, सरकार से जुड़े किसान को नियमित रूप से सलाहकार सेवाएं प्रदान कर रहा है। खेती की अधिक जानकारी के लिए, इफको किसान की ऐप को गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करसकते हैं और हमे आप सोशेल मीडिया पर भी फॉलो कर सकते हैं।

इस ऐप में आपको मौसम, मंडी, बजार भाव, एक्सपोर्ट से सलाह, खेती से जुड़ी जानकारी, क्रय-विक्रय की जानकारी से जुड़ी सभी अपडेट मिलेंगे जो की आपको आपकी खेती के लिए सही दिशा प्रदान करेगा। इफको किसान की यह ऐप से आप मंडी में विभिन्न बीजो और फसलों के भाव बहुत ही आसानी से पता कर सकते हैं, जिससे की आपको अपनी उपज का उचित मूल्य मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इफको किसान ऐप किसानों के लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

प्रदेश के कृषि में बीज गुणता का विशिष्ट महत्व है क्योंकि हमारे यहाॅ फसलों की आवश्यकतानुसार सर्वोत्त जलवायु होते हुए भी लगभग सभी फसलों का औसत उत्पादन बहुत ही कम है। जिसका प्रमुख कारण प्रदेश के कृषकों द्वारा कम गुणता वाले बीजों का लगातार प्रयोग है। जिससे फसलों में दी जाने वाली अन्य लागतों का भी हमें पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता है। फसलों में लगने वाले अन्य लागत का अधिकतम लाभ अच्छी गुणता वाले बीजों का प्रयोग करके ही लिया जा सकता है। उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज के प्रयोग से ही लगभग 20 प्रतिशत उत्पादकता/उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है।

अत: किसान भाईयों को चाहिए कि वे अपनी फसलों के बीज जैस-धान, गेहूं, समस्त दलहनी फसलें एवं राई-सरसों तथा सूरजमुखी को छोड़कर समस्त दलहनी फसलों का बीज प्रत्येक तीन वर्ष में बदल कर बुवाई की जानी चाहिए इसी प्रकार ज्वार, बाजरा, मक्का, सूरजमुखी, अरण्डी एवं राई/सरसों की फसलों में प्रत्येक तीन वर्षा पर बीज बदल कर बुवाई की जानी चाहिए।

उस बीज को उत्तम कोटि का माना जाता है जिसमें आनुवांशिक शुद्धता शत-प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो, रोग व कीट के प्रभाव से मुक्त हो, जिसमें शक्ति और ओज भरपूर हो तथा उसकी अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो, जिसमें खेत में जमाव और अन्तत: उपज अच्छी हो।

कृषि विभाग द्वारा खरीफ, रबी एवं जायद फसलों के विभिन्न प्रजाति के प्रमाणित बीजों का वितरण सभी जनपदों के विकास खण्ड स्थिति बीज भण्डार के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है।

अत: किसान भाईयों से अनुरोध है कि अपने विकास खण्ड से बीज प्राप्त कर अपने पुराने बीजों को बदलते हुए प्रमाणित बीजों से बुवाई करें, जिससे उनकी फसलों के उत्पादन में वृद्धि हो।

शोधित बीज बच जाने पर पुन: प्रयोग करें। बीज प्रयोगशाला से पुन: जमाव परीक्षण कराकर मानक के अनुरूप होने पर पुन: बोया जा सकता है।

देश एवं प्रदेश की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या की जीविका कृषि पर आधारित है। जिसके आर्थिक एवं सामाजिक स्तर में वांछित सुधार केवल खेती के सुदृढ़ीकरण से ही संभव हैं। इन उन्नतिशील प्रजातियों के उच्च गुणवत्तायुक्त बीजों का टिकाऊ कृषि उत्पादन में उच्च स्थान है। कृषकों को मात्र नवीनतम प्रजातियों के प्रमाणित बीज ही उपलब्ध करा देने से उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

प्रदेश में गेहूं, धन एवं अन्य फसलों की प्रतिस्थापना दर क्रमश: 30, 25, एवं 5-8 प्रतिशत के लगभग हैं जबकि संकर बीजों के प्रयोग से 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक उपज प्राप्त होती है

पौधे का वह भाग जिसमें भ्रूण अवस्थित है, जिसकी अंकुरण क्षमता, आनुवंशिक एवं भौतिक शुद्धता तथा नमी आदि मानकों के अनुरूप होने के साथ ही बीज जनित रोगों से मुक्त है।